भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जागरूक जनता

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

मार्गशीर्ष, पक्ष - शुक्ल, तिथि-सप्तमी , संवत 2079 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-8, अंक-40, 30 नवम्बर - 6 दिसम्बर, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

परिक्रमाओं से जिंदा रहती हैं हमारी सांस्कृतिक विरासतें

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हमारे शास्त्रों में परिक्रमाओं का बहुत वर्णन मिलता है। इन परिक्रमाओं में बहुत कुछ अदृश्य शक्ति छिपी हुई होती है। एक कथा तो हम सबको विदित ही है कि एक बार प्रथम पूज्य बनने के लिए शिव-पार्वती के पुत्र गणेशजी और स्वामकार्तिकेय में विवाद हो गया। विवाद को सुलझाने के लिए कहा गया कि जो पहले पूरी दुनिया की तीन परिक्रमा पूरी करेगा। उसे ही प्रथम पूज्य का स्थान मिलेगा। स्वामकार्तिकेय की सवारी मोर थी वे तो उड़ चले परिक्रमा करने और गणेशजी की सवारी मूसक थी वे सोचने लगे कि क्या करें। इतने में ही नारदजी आ गए और उन्हें कहा कि आप अपने माता-पिता शिव-पार्वती की ही परिक्रमा कर लो। इन्हीं में सारी दुनिया समाई हुई है। गणेशजी ने बहुत ही कम समय में अपने माता-पिता शिव-पार्वती की तीन परिक्रमा पूरी कर ली और प्रथम पूज्य का स्थान प्राप्त कर लिया। हमारे देश में अधिकांश तीर्थों की कहीं पंच कोसी, कहीं सात कोसी, कहीं ग्यारह कोसी, कहीं चौबीस कोसी परिक्रमा लगाने की परम्परा है। गोवर्धन, वृन्दावन, ब्रज, बरसाना, नन्दगांव, कोकिला वन, अयोध्या, चित्रकूट, नर्बदाजी, मथुरा, काशी ऐसे ही अनेक तीर्थस्थल है जहां परिक्रमाएं की जाती हैं। पिछले दिनों बरसाना के मानमंदिर से रमेश बाबा द्वारा ओयोजित राधारानी वार्षिक परिक्रमा में मुझे भी ब्रज 84 कोस की पैदल परिक्रमा करने का अवसर मिला। परिक्रमा में आने वाले गांवों में रहने वाले ग्रामीणों से बहुत नजदीक से मिलने पर ग्रामीणों का प्रेम देखते ही बनता था। पैदल परिक्रमा करने वालों को उन्होंने सिर आंखों पर बिठाया। उन्हें दूध, दही, खिचड़ी, रोटी, छाछ, सब्जी, बिस्किट, चाय सहित क्या-क्या नहीं किया उन्होंने। उनका निश्छल प्रेम कभी भुलाए नहीं भूला जा सकता। पैदल यात्राएं करने से हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रहती है। लोगों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम भाव अपनेपन का भाव पैदा होता है। ब्रज में कई जगह तो मुस्लिमों ने भी ब्रज 84 कोस की पैदल परिक्रमा करने वालों के लिए स्वागत सत्कार किया। कामां के पास केदारनाथ में परिक्रमा के यात्रियों का स्वागत मुस्लिमों द्वारा करना और ये कहना कि हमारे पूर्वजों ने आतताइयों और आक्रमणकारियों के विरुद्ध मिलकर लड़ाई लड़ी थी। अपने आप में बहुत बड़ी बात है। यात्राओं का चलन पुरातन काल से चला आ रहा है। ये धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही प्रकार से अपना प्रभाव छोड़ती है। इसलिए संस्कृति को बचाए रखने के लिए ऐसी परिक्रमाओं का बड़ा महत्व है।

shivdayalmishra@gmail.com

जागरूक जनता
हिन्दी अखबार
घर मंगवाये आपका अपना समाचार पत्र
खबर, विज्ञापन, आलेख, प्रेसनोट कार्यक्रम की सूचना हमें भेजें
jagrukjantanews@gmail.com
0141-3587886

फ्री यूनिफॉर्म पर गहलोत बोले- 200 में सिलाई संभव नहीं

पेरेंट्स कुछ खर्चा खुद करें, अगले साल से रेडिमेड ड्रेस मिलेगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- 200 रुपए में स्कूल ड्रेस की सिलाई संभव नहीं है। पेरेंट्स कुछ खर्चा खुद करें। ताकि स्टूडेंट्स की यूनिफॉर्म सिल जाए। कुछ लोग घर में भी ड्रेस सिल सकते हैं। टीचर से भी कहूंगा कि वो इसमें मदद करें। अपने जिलों के टेलर्स को इसके लिए तैयार करें, ताकि कम से कम पैसे में बच्चों की ड्रेस सिल सके। गहलोत ने मंगलवार को सरकारी स्कूल के बच्चों को फ्री यूनिफॉर्म और बाल गोपाल योजना का वर्चुअल उद्घाटन हुआ। अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने 6 स्टूडेंट्स को स्कूल ड्रेस भेंट किया। इस योजना के तहत राजस्थान के 68 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को फ्री स्कूल ड्रेस और दूध दिया जाएगा।

अगली बार सिली सिलाई यूनिफॉर्म

गहलोत ने कहा- हम 2 जोड़ी यूनिफॉर्म की सिलाई के लिए 200 रुपए दे रहे हैं। 200 रुपए में स्कूल ड्रेस की सिलाई संभव नहीं है। अगले शैक्षणिक सत्र तक हम कोशिश करेंगे कि स्टूडेंट्स को सप्ताह में 3 से 6 दिन तक दूध दिया जाए। दूध पूर्ण आहार की श्रेणी में आता है। इसलिए हम फाइनेंशियल मैनेजमेंट कर बच्चों को हर दिन दूध देने की कोशिश करेंगे। हमने इस बार भी स्टूडेंट्स को रेडिमेड यूनिफॉर्म देने की सोची थी। स्टूडेंट्स के साइज को लेकर हमारे पास कोई डेटा नहीं था। अगली बार हम कोशिश करेंगे कि बच्चों को सिली हुई यूनिफॉर्म दी जाए।

2 सेट कराए जाएंगे उपलब्ध

शिक्षा विभाग प्रदेश के 71,363 सरकारी स्कूलों के कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले 68 लाख से ज्यादा बच्चों को फ्री स्कूल यूनिफॉर्म फैब्रिक के दो सेट उपलब्ध कराएगा। यूनिफॉर्म सिलवाने के लिए प्रत्येक स्टूडेंट के खाते में 200 रुपए का भुगतान किया जाएगा। जिन बच्चों का खाता नहीं होगा, उनके परिवार के खाते में रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद आयुक्त मोहन लाल यादव ने बताया कि प्रदेशभर में जिला और ब्लॉक स्तर पर फेब्रिक पहुंच चुका है। आज से ही स्टूडेंट्स को वितरित करने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इस पूरी योजना में अनुमानित 500 करोड़ रुपए की लागत आएगी। फ्री यूनिफॉर्म योजना को लागू करने के लिए ब्लॉक स्तर के पीईईओ (ग्रामीण इलाकों में पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और यूसीईईओ (शहरी संकुल प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) के जरिए स्कूलों में यूनिफॉर्म के फैब्रिक वितरित किए जाएंगे। ड्रेस उन्हीं बच्चों को मिलेगी, जिन्होंने कक्षा 1 से 8 तक में 30 अगस्त 2022 तक एडमिशन ले लिया है।

अपने स्वास्थ्य का रखें ध्यान

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोरोना खत्म होने के बावजूद पोस्ट कोविड की समस्या अब तक लोगों को परेशान कर रही है। युवाओं को हार्ट अटैक आ रहे हैं। इससे लोग समझ रहे हैं कि उन्हें दिल की बीमारी थी। ऐसा नहीं है। पोस्ट कोविड की वजह से ऐसा हो रहा है। मेरे भी दिल की कोई बीमारी नहीं थी। मैं दो बार कोरोना संक्रमित हुआ। उसकी वजह से मेरे हार्ट में स्टेंट लगा है। मैं आप सभी लोगों से अपील करना चाहूंगा कि आप लोग भी अपना ध्यान रखें। पोस्ट कोविड की वजह से थकान जल्दी आती है। कुछ लोगों को किडनी, हार्ट और लंग्स में प्रॉब्लम आती हैं। इसलिए खुद का ध्यान रखें। समय-समय पर चेकअप कराते रहें।

69 लाख स्टूडेंट्स को मंगलवार और शुक्रवार को मिलेगा दूध

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद आयुक्त मोहन लाल यादव ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बाल गोपाल योजना के तहत कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले 69 लाख से ज्यादा बच्चों को दूध दिया जाएगा। इसमें कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को 150 मिली लीटर और कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को 200 मिली लीटर मिल्क पाउडर से बना दूध प्रार्थना सभा के बाद दिया जाएगा। यह सुविधा सप्ताह में केवल दो दिन (मंगलवार और शुक्रवार) मिलेगी।

हम साथ-साथ है...

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट का एक साथ हाथ उठाकर हम सब साथ-साथ है का संदेश देने की कोशिश की। वैसे यह तस्वीरें कई मैसेज देने वाली है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस हाईकमान भारत जोड़ो यात्रा पूरी होने तक टकराव टालना चाहता है। **देखें पेज 3**

कागजों से बाहर निकलेगी भले आदमी

मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षक योजना को मिलेगी गति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सड़क हादसे के घायलों को नजदीक के अस्पताल पहुंचाने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षक योजना को जल्द ही गति मिलेगी। योजना को लागू हुए करीब एक साल होने को है, लेकिन जटिल सरकारी प्रक्रिया के चलते महज 21 लोगों को ही "भले आदमी" का तमगा मिला है। ऐसे में चिकित्सा विभाग ने योजना को डि-सेन्ट्रलाइज्ड करते हुए पुलिस और उपखण्ड अधिकारियों को भी प्रस्ताव भेजने के लिए अधिकृत किया है। क्या है योजना और इससे हादसे में घायल होने वालों को कैसे लाभ मिलेगा।

किसी भी सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को गॉल्डन ऑवर्स में अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो उसकी जान बस सकती है। गहलोत सरकार ने घायलों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाने के लिए आमजन को प्रेरित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना शुरु की है। योजना में घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले भले व्यक्ति को 5 हजार रुपए और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है. लेकिन योजना की प्रक्रिया में कई तरह के पेंच होने के चलते महज 21 लोग ही इसका लाभ ले पाए है। ऐसे में पिछले दिनों चिकित्सा सचिव डॉ पृथ्वी ने योजना की समीक्षा की और फिर खामियों को दुरूस्त करने के लिए योजना के आवेदन की प्रक्रिया को डि-सेन्ट्रलाइज्ड किया है।

नार्को टेस्ट के लिए दिल्ली पुलिस को मिली मंजूरी

आज सच उगलेगा आफताब!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। श्रद्धा मर्डर केस के आरोपी आफताब का नार्को टेस्ट एक दिसम्बर को होगा। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नार्को टेस्ट कराने की इजाजत दे दी है। अब दिल्ली पुलिस को कुछ उम्मीद बंधी है कि, आफताब अब सच उगलेगा। और दिल्ली पुलिस को कुछ मजबूत सुबूत हासिल हो सकेंगे। इसलिए आफताब के नार्को टेस्ट को लेकर दिल्ली पुलिस काफी उत्साहित है। पहले 5 दिसंबर को नार्को टेस्ट करने की डेट फाइनल हुई थी। इससे पूर्व सोमवार को आफताब पर हुए हमले के बाद मंगलवार को दिल्ली पुलिस पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच रोहिणी फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में ले गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान एफएसएल कार्यालय के बाहर तैनात थे।

आफताब की वैन पर हमला

सोमवार शाम करीब 6.44 मिनट पर तलवार लिए लोगों के एक समूह ने आफताब के वैन पर हमला कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया एक पुलिसकर्मी ने हमलावरों को तितर-बितर करने के लिए उन पर बंदूक भी तान दी थी। तब से आफताब की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

श्रद्धा मर्डर केस में मिले कुछ नए सुबूत

श्रद्धा मर्डर केस में मामले की जांच कर रही पुलिस को आफताब के फ्लैट के बाथरूम, बेडरूम और किचन से खून के निशान मिले हैं। छानबीन में पुलिस को उसके फ्लैट से कुछ कपड़े भी मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने उन कपड़ों को सीजकर उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा दिया है।

ANCHOR खुश खबर : खुले नए द्वार

डेजी, सतगुड़ी करेगी थार को रसीला

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

सीआईएएच बीकानेर का नींबूवर्गीय फलों पर रिसर्च

जयपुर। सात साल के रिसर्च से उद्यानिकी वैज्ञानिकों ने यह साबित कर दिया है कि थार रसीला हो सकता है। किसान नींबूवर्गीय फसलों का उत्पादन करके वर्ष भर उत्पादन प्राप्त कर सकते है। अपनी आय भी बढ़ा सकते है। वैज्ञानिकों का यह दावा उन किसानों को भी नई उम्मीद देगा, जिन्होंने जैतून के बाग लगाएं थे। लेकिन, जलवायु की उठापटक से पौधे फले ही नहीं। ऐसे किसानों के लिए नींबूवर्गीय फसलें अच्छा विकल्प साबित हो सकती है। गौरतलब है कि आईसीएआर-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर ने नींबूवर्गीय फसल की उन किस्मों का पता लगाया है, जो थार की आबोहवा में बेहत्तर उत्पादन देने की क्षमता रखती है। नींबूवर्गीय फल अनुसंधान परियोजना के अन्वेषक वैज्ञानिक डॉ. जगन सिंह गोरा ने बताया कि अब तक पश्चिमी जिलों के किसानों को लसोड़ा, बेल, बेर की खेती की सलाह दी जाती थी। क्योंकि, किन्नू का उत्पादन श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले तक सिमटा हुआ है। लेकिन, सात साल चले अनुसंधान के बाद संस्थान ने किसानों के लिए आय बढौत्तरी के नए द्वार खोल दिए है। किसान नींबूवर्गीय फलों का उत्पादन लेकर सालाना लाखों रूपए की आमदनी प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि नई किस्मों की पैदावार भी ज्यादा है। कम समय, कम पानी और उच्च ताप सहने की क्षमता भी इनमें है। उन्होंने बताया कि शोध में कुछ किस्मों के परिणाम काफी उत्कृष्ट आए है। किसानों को किन्नू की तुलना में इन किस्मों से डेढ़ गुना ज्यादा आय मिल सकती है। उन्होंने बताया कि पहले किसानों के पास रसदार फलों में किन्नू ही एक मात्र फसल थी। यह फसल भी जनवरी से मार्च के मध्य किसानों को मिलती है। लेकिन, अब नींबूवर्गीय फलों से वर्षभर आय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि अंतरजातीय संकर डेजी और फ्रिमोंट के परिणाम सबसे शानदार रहे है। दोनों अंतरजातीय संकर को कई मूलवृंतों पर उगाया गया है। जिनमें रफ लेमन, क्लिओपाट्रा, सावर ऑरेंज, पक्टीनिफेरा, केरीजो, वोल्केमेरिकाना, ट्रोयर सिटेंरज, रंगपुर लाइम, अलेमो आदि मूलवृंत शामिल है। इसके अलावा मोसम्बी, सतगुड़ी, और किन्नू पर शोध किया जा रहा है।

इन किस्मों पर अनुसंधान

संस्थान ने नींबूवर्गीय फलों में स्वीट ऑरेंज, मेंडरिन, ग्रेपफ्रूट, पूमेलो, लाइम, लेमन और इनके अंतरर्जातीय संकर की लगभग 75 किस्मों पर अनुसंधान किया है। इनमें से स्वीट ऑरेंज समूह की सतगुड़ी, जाफा, हेमलीन, मेंडरिन समूह की डेजी और फ्रिमोंट से उत्कृष्ट परिणाम मिले है।

संस्थान में नींबूवर्गीय फल की 75 किस्मों पर पिछले सात वर्षों से अनुसंधान चल रहा है। विभिन्न किस्मों की पैदावार और उनका स्वाद अलग-अलग है। फल खाने में स्वादिष्ट हैं। अंतरजातीय संकर में डेजी और फ्रिमोन्ट के उत्कृष्ट शोध परिणाम मिल है। हमने देखा है कि नीबूवर्गीय फलों की विभिन्न प्रजातियां बीकानेर की जलवायु में वर्षभर फल देने में सक्षम हैं।

डॉ. दिलीप कुमार समादिया,
निदेशक, सीआईएएच, बीकानेर

जागरूक खबरें

■ प्री-शिक्षा शास्त्री टेस्ट आवेदन तिथि बढ़ी

जयपुर @ जागरूक जनता। जगद्गुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विवि ने प्री-शिक्षाशास्त्री, प्री-शास्त्री-शिक्षाशास्त्री एवं प्री-शिक्षाचार्य प्रवेश कार्यक्रम घोषित कर दिया। कुलसचिव दुर्गेश राजोरिया ने बताया कि 76 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2022-23 में द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बीएड), चारवर्षीय इंटीग्रेटेड शास्त्री-शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्र म के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। शिक्षा शास्त्री की 8500 सीटों पर प्रवेश के लिए 14 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

■ सोमावत ने की गुप्ता से मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ शाखा राजकीय कांवतिया अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार पवन सोमावत ने बीते दिनों पूर्व विधायक किशनपोल एवं प्रथम महापौर मोहनलाल गुप्ता से उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर आशीर्वाद लिया साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बधाई दी।

■ जैविक पुरस्कार के लिए करें आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। कृषि विभाग ने वर्ष 2022-23 के लिए जैविक किसानों से कृषक पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए है। राज्य स्तर पर जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन सर्वश्रेष्ठ कृषकों को पुरस्कृत किया जाएगा। योजना के ततहत जो किसान पांच वर्षो से कृषि, उद्यानिकी फसलों का उत्पादन जैविक तरीकें से कर रहा हो और लगातार दो साल से जैविक प्रमाणिकरण करवा रहा हो, पुरूस्कार में ऐसे किसानों को वरीयता दी जायेगी। किसान का चयन जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में होगा।

■ राजस्थान यूनिवर्सिटी में 37वीं गुलदाउदी एग्जीबिशन शुरु

जयपुर @ जागरूक जनता। पिछले 37 सालों से जयपुर की पहचान बन चुकी गुलदाउदी एक बार फिर से अपनी खूबसूरती से घरों की शोभा बढ़ाने के लिए तैयार है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में हर साल लगने वाली गुलदाउदी की प्रदर्शनी की आज से शुरुवात हो गई है। 2 दिन तक चलने वाली एग्जीबिशन का DGP उमेश मिश्रा और कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने उद्घाटन किया। इस दौरान राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर राजीव जैन और नर्सरी इंचार्ज डॉ राम अवतार शर्मा भी मौजूद रहे। राजस्थान यूनिवर्सिटी के गार्डन और नर्सरी इंचार्ज डॉक्टर रामवतार शर्मा ने बताया कि एग्जीबिशन में गुलदाउदी के 6 ग्रुप की करीब 40 से ज्यादा वैरायटी देखने को मिलेगी। 1 दिसंबर को गमलों की सेल होगी। इस बार सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक 3700 पौधे बेचे जाएंगे। जहां 100 रुपए प्रति गमले के हिसाब से कोई भी यहां से पहले आओ पहले पाओ के नियम से गुलदाउदी के फूल वाले गमले खरीद सकता है।

जयपुर हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर अधिकारियों पर भड़कीं

तुम्हारी गाड़ियां छीन लूंगी, सफाई नहीं हुई तो दूसरी जगह भिजवा दूंगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर हेरिटेज में बिगड़ी सफाई व्यवस्था और कर्मचारियों की लापरवाही पर मेयर मुनेश गुर्जर ने अफसरों को जमकर फटकार लगाई है। मेयर की ये फटकार कैमरे में कैद हो गई। सफाई नहीं होने से नाराज मेयर ने कहा कि यही हालात रहे तो मैं तुम सबकी गाड़ियां छीन लूंगी। यही नहीं एक अधिकारी को तो इतना कह दिया कि अगर तुमने अपने काम में सुधार नहीं किया तो कहीं और भिजवा दूंगी। अपने निजी निवास पर एक बैठक के दौरान मेयर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक (सीएसआई) संग बैठक कर रही है। इस बैठक में वह दिल्ली बाइपास और हवामहल, आदर्श नगर एरिया में सफाई नहीं होने पर खासी नाराज नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि इतने कर्मचारी होने के बाद भी ये हालात बिगड़ रहे है। इस वीडियो में मेयर सफाई कर्मचारियों की गैरअनुपस्थिति को लेकर खासी नाराज दिखी। उन्होंने कहा कि इतने कर्मचारी है उसके बाद भी वे दिखते कहीं नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दिल्ली रोड पर मुझे सफाई नहीं दिखी तो मैं आदर्श नगर और हवामहल के सभी सीएसआई की गाड़ियां छीन लूंगी। यही नहीं उन्होंने एक अधिकारी को चेतावनी दी कि व्यवस्थाएं नहीं सुधारी तो दूसरी जगह भिजवा दूंगी।

दो कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस

इधर मेयर के नाराजगी के बाद हेरिटेज कमिश्नर विश्राम मीणा ने दोपहर बाद अधिकारियों संग दिल्ली रोड, चारदीवारी एरिया में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वे बड़ी चौपड़ से सांगानेरी गेट होते हुए सोफिया स्कूल पहुंचे। यहां कचरा डिपो पर कचरा नहीं उठने पर वे काफी नाराज हुए और उन्होंने मौके पर ही दो सफाईकर्मियों मोहन लाल कुमावत व आदिल हुसैन नोटिस कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसके अलावा घाटगेट स्थित बस स्टैंड के पास खाली पड़ी जमीन पड़े कचरे व मलबे के ढेर को देखकर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक नवल किशोर को भी नोटिस देने के निर्देश दिए।

कमेटियां नहीं बनने, बैठक नहीं करने से रही विवादों में

मुनेश गुर्जर जब से मेयर की कुर्सी पर बैठी है तब से अब तक केवल उन्होंने एक बार ही बोर्ड की बैठक बुलाई है। ये नगर निगम जयपुर के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी बोर्ड की बैठक डेढ़ साल से ज्यादा समय से न हुई हो। ये तब है जब मेयर खुद कुर्सी पर है। इसके अलावा पहला ही ऐसा बोर्ड है जहां 2 साल से ज्यादा समय तक संचालन समितियां नहीं बनी है। इससे पहले लम्बे समय तक कमेटियां नहीं बनने का रिकॉर्ड कांग्रेस की मेयर रही ज्योति खण्डेलवाल के कार्यकाल में हुआ था। खण्डेलवाल के समय बोर्ड भाजपा का था, जिसके कारण कमेटियां डेढ़ साल बाद बनी थी।

सौम्या : लम्बे सफर की तैयारी

ग्रामीण ओलंपिक की तर्ज पर जयपुर में खेलों की तैयारी में मेयर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भले जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर पर बर्खास्तगी की तलवार लटक रही हो, लेकिन उनके कॉन्फिडेंस को देखकर लग रहा है कि उनका कार्यकाल अभी लम्बा चलेगा। ये संकेत उनकी ओर से लिए एक बड़े निर्णय को देखकर लग रहे है। जयपुर समारोह को लेकर सौम्या गुर्जर ने जब बैठक की तो उसमें उन्होंने गहलोत सरकार की ओर से करवाए जा रहे ग्रामीण ओलंपिक की तर्ज पर जयपुर में भी खेलों का आयोजन करवाने का निर्णय किया। उन्होंने कहा कि जयपुर समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ इस बार खेलों का भी बड़े स्तर पर आयोजन करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेलों को करवाने का उदेश्य जयपुर की जनता को जोड़ना और जनता के साथ-साथ पार्षद और अधिकारियों में नई ऊर्जा का संचार करना है। उन्होंने कहा कि जब हम खेलते है तो शरीर स्वस्थ्य रहता है और जब शरीर स्वस्थ होता है तो उसमें स्वस्थ मन निवास करता है। जब स्वस्थ मन होता है तो काम करने में भी रूचि आती है, जिससे जयपुर का विकास होगा। आपको बता दें कि सौम्या गुर्जर के पेश किए गए जवाब पर अब सरकार को निर्णय किया है। ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार सौम्या के जवाब पेश करने के बाद उन्हें पद से बर्खास्त कर सकती है। लेकिन 25 नवंबर को जब सौम्या ने अपना जवाब डीएलबी डायरेक्टर को पेश किया था तो उससे पहले वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर आई थी, जहां उन्होंने अपनी पूरी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें मुख्यमंत्री पर पूरा विश्वास है कि उन्हें वहां से न्याय मिलेगा।

शादी से जाम : मैरिज हॉल मैनेजमेंट होगा जिम्मेदार

ट्रैफिक पुलिस ने जारी किए आदेश, बारात निकासी की विवाह स्थल में कम हो दूरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने आगामी दिनों में शादी समारोह को देखते हुए विशेष इंतेजाम किए हैं। इस के तहत डीसीपी ट्रैफिक प्रहलाद सिंह ने बताया कि शहर में आगामी दिनों में विभिन्न स्थानों पर शादी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसे देखते हुए कई मुख्य मार्गों पर विशेष इंतेजाम किए गए हैं। मुख्य रूप से सीकर रोड, सिरसी रोड, मुरलीपुरा, न्यू सांगानेर रोड, इस्कान रोड, टोंक रोड, आगरा रोड पर विशेष ध्यान रखा गया हैं।कोलोनियों में स्थित विवाह स्थलों में काफी संख्या में शादी समारोह का आयोजन होना है। जिससे शाम के समय विवाह स्थलों के आसपास काफी भीड-भाड होने की संभावना है।

यातायात पुलिस जयपुर ने इसे देखते हुए विशेष पुलिस जाप्ता तैयार किया है। इससे की आमजन को सुगम एवं सुरक्षित यातायात उपलब्ध हो सके। इस देखते हुए अत्यधिक दबाव की स्थिति में यातायात का आवश्यकतानुसार समानांतर मार्गों पर डायवर्जन किया जाएगा। यातायात पुलिस के क्रेन और ट्रक द्वारा इन स्थानों पर लगातार राउंडअप रहकर नो पार्किंग/ यातायात अवरूद्ध कर रहे वाहनों को हटाया जायेगा। ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से भी इस विषय को लेकर अपील की हैं। साथ ही ट्रैफिक पुलिस के जारी कुछ बिंदुओं पर काम करने के लिए कहा हैं। विवाह स्थलों के प्रबंधक अपने अपने विवाह स्थलों पर वॉलिंटियर तैनात करेंगे जो विवाह समारोह में आने वाले वाहनों को विवाह स्थल की निर्धारित पार्किंग में पार्क करवायेंगे।

वाहन चालक अपने वाहन को मुख्य मार्ग पर एवं बेतरतीब खड़ा नहीं करेंगे जिससे कि स्वयं एवं दूसरों को असुविधा हो। अपने वाहन में किसी भी प्रकार का कीमती सामान (जेवरात, कपडे, रूपये इत्यादि) नहीं रखेगें। बारात की निकासी विवाह स्थल से कम से कम दूरी पर रखें एवं बीच सड़क पर घेरा डालकर डांस न करें जिससे कि सड़कों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो व उससे राहगीरों को परेशानी हो। मुख्य मार्ग पर आतिशबाजी नहीं करें।

समाजसेवियों ने खिलाया गायों को गुड़

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में इस समय गायों की बहुत अनदेखी की जा रही है। राजस्थान में गायों में लम्बी रोग भी फैलाा हुआ है जिसके कारण लाखों गााय काल का ग्रास बन गई। ऐसे में समाज के बहुत सारे लोग गायों की सेवा सुश्रुषा में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में समाजसेवी एवं भामाशााह प्रदीप शर्मा एवं गोपाल शर्मा के साथ नगेन्द्र वशिष्ठ, हरिशंकर गौड़, शिवदयाल मिश्रा और पं. अरुण शर्मा ने गोविन्दगढ़ के पास मां सुरभि गौशाला रायसिंह का बास में गायों

को गुड़ चारा खिलाया। गायों को गुड़ खिलाने के बाद सभी के मन को बहुत सुकून मिला और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अनुभव ही तय करेगा जिंदगी की घड़ी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में ब्रह्मकुमारीज़ का एक स्पेशल सेशन "बिल्डिंग पाथवेज़ फॉर सक्सेस" का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि बी के शीतल दीदी, बी के रितु दीदी, अशोक भंडारी, कॉलेज के चैयरमेन डॉ राजीव बियानी और कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ नेहा पांडे रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ की गई। इस सेशन में सफल जीवन का मूल मंत्र समझाया गया। बी के रितु दीदी ने कहा कि सफलता को कहीं ढूंढने की जरूरत नहीं है, क्योंकि

जिंदगी की सही घड़ी का चलना हमारे अनुभवों पर निर्भर करता है। अगर हम किसी कार्य को संतुष्टी, मेहनत, ज्ञान, धैर्य, आत्मविश्वास और पूरे दिल से अपनाएंगे तो सफलता मिलना निश्चित है। "मै कर सकता हूँ" मन में हमेशा यह विश्वास रखना चाहिए। सिर्फ देखने के नजरिए पर हमारी सारी समस्याएं निर्भर करती है। सेशन को आग बढ़ाते हुए उन्होंने समझाया कि जो चीज हमारे कंट्रोल में नहीं है उसके लिए अपनी उर्जा और समय व्यर्थ ना करें। सेशन का समापन जिंदगी में पॉजिटीव एटीट्यूड को अपनाने और वर्तमान में जीने की बात के साथ हुआ।

जयपुर एयरपोर्ट : 13 शहरों को मिलेगी फ्लाइट

स्लॉट बुक कराने के बाद भी जिन एयर लाइंस ने फ्लाइट नहीं चलाई, उन पर सख्ती होगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शेड्यूल लेने के बाद अब एयरलाइंस को फ्लाइट चलानी ही पड़ेगी। डीजीसीए से शेड्यूल अप्रूव कराने के बाद भी लंबे समय तक फ्लाइट नहीं चलाने वाली एयरलाइंस के स्लॉट रद्द किए जाएंगे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय इस मामले में अब नियमों में संशोधन करने जा रहा है। दरअसल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नियमों में बदलाव करने पर सहमति जता दी है। कई एयरलाइंस ने फ्लाइट संचालन के लिए शेड्यूल तो अप्रूव करवा लिया है, लेकिन फ्लाइट्स नहीं उड़ाई। 30 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल लागू हो चुका है। एयरपोर्ट से विंटर शेड्यूल में 67 फ्लाइट्स का अप्रूवल लिया गया था। इनमें सबसे ज्यादा 33 फ्लाइट्स का अप्रूवल इंडिगो एयरलाइंस ने लिया है। स्पाइसजेट ने 15, एयर एशिया ने 9, विस्तारा ने 2, गो फर्स्ट ने 3 और एयर इंडिया ने 2 फ्लाइट्स का स्लॉट लिया है। हकीकत यह है कि जयपुर एयरपोर्ट से अभी हर दिन 53 फ्लाइटों का संचालन हो रहा है। ऐसे में 13 शहरों के लिए फ्लाइट शुरू हो सकेगी।

शेड्यूल लेने के 80 दिन में उड़ान नहीं तो स्लॉट रद्द होगा

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय स्लॉट एलोकेशन्स गाइडलाइन 2013 में बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए स्टेकहोल्डर्स से 28 नवंबर तक सुझाव मांगे गए हैं। इसके तहत अब एयरलाइंस को किसी फ्लाइट का शेड्यूल अप्रूव कराने के बाद उस फ्लाइट को कम से कम 80 दिनों में संचालित करना होगा। ऐसा नहीं करने की स्थिति में एयरलाइंस के उस फ्लाइट शेड्यूल को अगले सीजन में रद कर दिया जाएगा। बाद में यदि कोई दूसरी एयरलाइंस उस स्लॉट में फ्लाइट चलाना चाहेगी तो स्लॉट को दूसरी एयरलाइंस को एलोकेट कर दिया जाएगा। 30 अक्टूबर से इंडिगो की जयपुर से दुबई और दोहा के लिए फ्लाइट चलनी थी, लेकिन इनमें से एक भी फ्लाइट अभी तक शुरू नहीं हो सकी है।

शेड्यूल के बाद भी ये फ्लाइट्स नहीं उड़ीं

- रात 12:50 बजे इंडिगो की दुबई की फ्लाइट
- रात 9:40 बजे इंडिगो की दोहा की फ्लाइट
- सुबह 8:40 बजे इंडिगो की मुंबई की फ्लाइट
- दोपहर 1:20 बजे एयर एशिया की बेंगलुरू फ्लाइट
- शाम 6:15 बजे स्पाइसजेट की अमृतसर की उड़ान
- सुबह 7:25 बजे स्पाइसजेट की बनारस की फ्लाइट
- सुबह 5:25 बजे स्पाइसजेट की पुणे की फ्लाइट
- दोपहर 12:50 बजे स्पाइसजेट की सिलीगुड़ी की उड़ान
- शाम 8:25 बजे स्पाइसजेट की मुंबई की फ्लाइट
- शाम 8:35 बजे स्पाइसजेट की हैदराबाद की फ्लाइट
- सुबह 10:40 बजे स्पाइसजेट की बेंगलुरू फ्लाइट
- सुबह 9:40 बजे स्पाइसजेट की मुंबई की फ्लाइट
- रात 11:25 बजे स्पाइसजेट की चेन्नई की फ्लाइट

स्पाइसजेट 15 फ्लाइट्स का शेड्यूल अप्रूव कराने के बावजूद सिर्फ 5-6 फ्लाइट ही संचालित कर रही है। इसी तरह इंडिगो ने जयपुर से 2 इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल अप्रूव कराया था।)

ANCHOR कार्यक्रम

ब्राह्मण समाज का गौ रक्षा सम्मेलन संपन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान के तत्वावधान में जयपुर जिला देहात द्वारा कागलिया वाले बालाजी मंदिर चौमूँ पर आयोजित गौ रक्षा सम्मेलन कार्यक्रम विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चारण से संतो ने गौ पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में सानिध्य श्री श्री 108 गिरधारी दास जी महाराज एवं मुख्य अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष पं अंबिका प्रकाश पाठक विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रदीप शर्मा, समाजसेवी गोपाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) डॉ शारदा शर्मा, विराज फाउंडेशन प्रदेशाध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) डॉ अरुणा शर्मा, नगेंद्र वशिष्ठ, हरि शंकर गौड़, शिवदयाल मिश्रा, प्रमिला शर्मा, गीतांजलि शर्मा का जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी व पदाधिकारियों ने माला शाल व

प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 51 गौ रक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष पाठक ने बताया कि गौ रक्षा सम्मेलन करने का मुख्य कारण गौ संरक्षण है लम्पी बीमारी के दौरान जो गोवंश का नुकसान हुआ है उसकी भरपाई नहीं हो सकती। लेकिन गौ संरक्षण के लिए कदम उठाकर गौवंश को बढ़ा सकते हैं। इस दौरान समाजसेवी कृपा शंकर शर्मा, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिला संगठन मंत्री पं रामस्वरूप शर्मा, जिला मंत्री पं चंद्र शेखर शर्मा, तहसील संरक्षक राजू महाराज, तहसील उपाध्यक्ष डॉ राम प्रकाश शर्मा, तहसील महामंत्री नंदकिशोर गैसका, तहसील संगठन मंत्री चंद्रप्रकाश शर्मा तहसील महासचिव भवानी शंकर शर्मा गोविंदगढ़ ब्लॉक प्रभारी कैप्टन श्रीराम शर्मा आमेर तहसील अध्यक्ष महिपाल शर्मा चोमू नगर अध्यक्ष मुक्तिलाल बासोतिया, चोमू नगर अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ममता शर्मा, महामंत्री सुमन शर्मा, नारायण लाल शर्मा, डॉ ओम प्रकाश शर्मा, डॉ अविनाश शर्मा, डॉ बंशीधर शर्मा, डॉ पवन कुमार तिवाडी, डॉ आशुतोष कौशिक, मुकेश ललानी, पं हितेंद्र शर्मा, इंद्र कुमार शर्मा, श्रीराम बटवाल आदि लोग उपस्थित थे।

गुलजार हुए पर्यटक स्थल

पर्यटकों से आबाद जन्तर-मन्तर।

मौसम में विशेष बदलाव के आसार नहीं, कुछ दिन और बढ़ेगा पारा

जयपुर @ जागरूक जनता। मौसम में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। हल्के पश्चिमी विक्षोभ व हवा के बदले पैटर्न के कारण दो दिन सर्दी का असर कुछ कम हुआ है। तापमान में हल्की वृद्धि भी हुई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार अगले तीन दिन तापमान में इसी प्रकार बढ़ोतरी जारी रहेगी। 2 दिसम्बर से फिर से तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट होगी। उतार-चढ़ाव का यह दौर अगले दो सप्ताह तक जारी रहेगा। 10 दिसम्बर तक मौसम में विशेष परिवर्तन के आसार नहीं है। दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह सर्दी बढ़ने की संभावना है।

माउंट आबू में पारा 2 डिग्री पर: प्रदेश में सबसे कम तापमान माउंट आबू में 2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा ज्यादातर स्थानों पर पारे में बढ़ोतरी हुई। कई स्थानों पर दिन का तापमान 30 डिग्री से अधिक पहुंच गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 26.9 व न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री दर्ज किया गया।

'गद्दार' विवाद के बाद पहली बार गहलोत-पायलट की नमस्कार

सीएम बोले- जब राहुल गांधी ने कह दिया तो...

हम सब एसेट ही हैं-सीएम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गद्दार विवाद के बाद भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों की बैठक में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट पहली बार एक मंच पर आए हैं। बैठक में पहुंचने पर पायलट-गहलोत ने एक-दूसरे का अभिवादन किया।बैठक कांग्रेस संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस वॉर रूम में शुरू हुई। बैठक से पहले सीएम अशोक गहलोत ने भी राहुल गांधी वाली लाइन को दोहराया है। पायलट को गद्दार बताने के बाद अब उन्होंने एसेट भी मान लिया। गहलोत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब राहुल गांधी ने कहा है कि दोनों नेता एसेट हैं तो एसेट हैं। इसमें कहने को कुछ रह नहीं जाता है, उनके कहने के बाद फिर डिस्कसन किस बात का।

गहलोत ने कहा कि आजादी के पहले और बाद में हमारी पार्टी की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि जो नंबर वन नेता होता है, उसके डिसिप्लीन में पार्टी चलती है। उनके कहने के बाद में कोई गुंजाइश रहती नहीं है। राहुल गांधी ने कह दिया तो हम सब एसेट ही हैं। गहलोत ने कहा कि उसके मायने ये भी थे कि हम लोगों के साथ हर कार्यकर्ता एसेट हैं। अच्छी बात कही है। दोनों नेता एसेट हैं तो उनके फॉलोअर भी एसेट हैं। सब मिलकर यात्रा को भी कामयाब करेंगे। अगला चुनाव मुख्य मुद्दा है, वह हम जीतकर बताएंगे। वेणुगोपाल को भारत जोड़ो यात्रा तक राजस्थान पर फोकस करने का जिम्मा दिया है। राजस्थान विवाद को यात्रा तक शांत रखने का टास्क दिया गया है। यात्रा से जुड़ी कमेटी की बैठक लेने का मकसद भी यही बताया जा रहा है। कमेटी की बैठक के बाद वेणुगोपाल सीएम और सचिन पायलट से अलग-अलग चर्चा कर सकते हैं। विवाद पर बात करने के अलावा यात्रा से जुड़े मैनेजमेंट पर भी वेणुगोपाल पॉइंट टू पॉइंट चर्चा करेंगे।

गद्दार कहने के बाद पहली बार आमने-सामने गहलोत, पायलट

गद्दार कहने के बाद आज की बैठक में गहलोत और पायलट पहली बार एक मंच पर आए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच हाल ही गहराए विवाद में अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तक 'सियासी-सीजफायर' के आसार बन गए हैं। हाईकमान की तरफ से यात्रा निकलने तक दोनों खेमों को कोई विवाद नहीं करने के संकेत मिले हैं। गहलोत के सचिन पायलट को गद्दार कहने से शुरू हुए विवाद को निपटाने के लिए बीच का रास्ता निकाला गया है, दोनों ही नेताओं को साधने का फॉर्मूला अपनाया गया है। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल राजस्थान के मामले को देख रहे हैं।

इसलिए वेणुगोपाल को जिम्मा...

अजय माकन के प्रदेश प्रभारी के पद से इस्तीफे की पेशकश के बाद उन्होंने राजस्थान का काम बंद कर दिया है। माकन ने 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके पैरेलल बैठक करने के जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए 8 नवंबर को इस्तीफे की पेशकश करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष को चिट्ठी लिखी थी।

प्रदेश की 16 सौ कोर्ट के 17 हजार कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर

जयपुर @ जागरूक जनता। न्यायिक कर्मचारी सुभाष मेहरा के संदिग्ध रूप से आत्मदाह करने से जुड़े मामले में मंगलवार को जयपुर में न्यायिक कर्मचारी मंगलवार को भी सामूहिक अवकाश पर रहे। बुधवार से पूरे प्रदेश के न्यायिक कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेगें। कर्मचारियों में 12 दिन के बाद भी उनकी मांगों के संबंध में फैसला नहीं लेने से नाराजगी है। जयपुर में अब तक दो लाख मुकदमों की सुनवाई प्रभावित हुई है। पुलिसकर्मियों की मदद से कोर्ट रूम के ताले खुल रहे हैं लेकिन इसके बाद भी कई कोर्ट के ताले तक नहीं खुल रहे हैं।जिला न्यायालयों जयपुर मेट्रो-प्रथम, द्वितीय एवं जिला के न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश मंगलवार को 12 वें दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश के कारण अदालतों का कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। अदालतों में पुलिसकर्मियों एवं होमगार्ड से काम चलाया जा रहा हैं। आमरण अनशन कर रहे संघ के प्रांतीय महामंत्री सतबीर सिह और रामावतार मीणा के साथ अब संघ के संरक्षक नत्थू सिह तंवर व संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी ने भी आमरण अनशन शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने कोर्ट परिसर से कलेक्ट्रेट सर्किल तक रैली निकालमानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया।

जागरूक खबरें

■ दशहरा मैदान में नड्डा की जनसभा कल

जयपुर @ जागरूक जनता। 1 दिसम्बर को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जयपुर में जनसभा होगी। नड्डा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'जन आक्रोश रथ यात्रा' को बीजेपी का झण्डा दिखाकर रवाना करने आएंगे। आदर्श नगर के दशहरा मैदान में बड़ा मंच लगेगा। कार्यक्रम में 10 हजार से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ता और लोग इकट्ठा किए जाएंगे। यहां से दोपहर करीब 1 बजे 51 रथों को झण्डा दिखाकर नड्डा जिलों और विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना करेंगे। प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे 200 रथ जाएंगे। दशहरा मैदान पर जेपी नड्डा की जनसभा के लिए बीजेपी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम में बीजेपी राजस्थान कोर कमेटी के सभी नेता शामिल होंगे।

■ मुख्यमंत्री से पदोन्नति की मांग

जयपुर @ जागरूक जनता। सामाजिक न्याय एवं अधिकारी विभाग के अधिकारियों ने सीएम को पत्र भेज वर्ष 2012 में चयनित समाज कल्याण अधीनस्थ सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति की मांग की है। उन्होंने बताया कि 2012 में नियुक्त जिला परिवीक्षा सह समाज कल्याण अधिकारियों की पदोन्नति वर्ष 2018 में सहायक निदेशक पद पर हो गई। अब 21 अक्टूबर को विभागीय पदों के पुनर्गठन का आदेश जारी हो गया। इसे एक माह से अधिक समय बीतने के बावजूद अब तक विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक नहीं हुई। पत्र में 30 नवंबर से पूर्व पदोन्नति समिति की बैठक कर पात्र अधिकारियों को पदोन्नति दिलाने की मांग की है।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान

राजधानी में मार्च तक शुरू हो सकती है टाइगर सफारी

30 वर्ग हेक्टेयर भूमि पर 4.5 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही सफारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी के वन्यजीव प्रेमियों को जंगल में टाइगर देखने के लिए रणथम्भौर, सरिस्का और मुकुंदरा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि नाहरगढ़ जैविक उद्यान में मार्च-2023 तक टाइगर सफारी शुरू हो सकती है। दरअसल, जैविक उद्यान में 30 वर्ग हेक्टेयर भूमि पर 4.5 करोड़ रुपए की लागत से टाइगर सफारी विकसित की जा रही है। डीएफओ कपिल चंद्रावल के अनुसार इसे मार्च के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा है, हालांकि इससे भी देरी हो सकती है।

वन अधिकारियों ने बताया कि यह राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे अगले माह शुरू किया जाना था, लेकिन जेडीए की टेंडर प्रक्रिया में देरी हो गई। वर्तमान में फेंसिंग का काम जारी है। सफारी के लिए 8 किलोमीटर लंबा ट्रैक बनाया जा रहा है। इनके अलावा टाइगर्स के लिए दस शेल्टर, दो कराल, दो चौकी, एक भव्य द्वार, बाउंड्रीवाल, पानी की तलाइयां बनाई जा रही है। खासबात है कि इस सफारी के शुरू होने के बाद जयपुर दुनिया का पहला शहर होगा जहां दो लेपर्ड सफारी, एक एलिफेंट सफारी, एक लॉयन सफारी के बाद अब टाइगर सफारी शुरू होगी।

पहले छोड़े जाएंगे दो टाइगर

यहां पहले दो टाइगर छोड़े जाएंगे। टाइगर चीनू व टाइग्रेस रानी को अभी से साथ रखना शुरू कर दिया है। इसके बाद अन्य टाइगर्स को छोड़ा जाएगा। यहां पांच से छह टाइगर रह सकते हैं। इसके लिए महाराष्ट्र से नए टाइगर लाने का प्रस्ताव भी भेजा है। सैलानी जिप्सी या कैंटर में बैठकर 45 मिनट तक सफारी कर सकेंगे। इसके लिए संभवतः प्रति व्यक्ति से 250 रुपए चार्ज लिया जाएगा।

ANCHOR राजस्थान आवासन मण्डल

लगातार दूसरे वर्ष भी स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड के लिए चयन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल के नवाचारों एवं कायाकल्प के लिये हाउसिंग श्रेणी में एक बार फिर स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड के लिये चयनित किया गया है। मण्डल को लगातार दूसरे वर्ष यह सम्मान अर्जित करने का गौरव प्राप्त हुआ है। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने इस सफलता के लिए सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह उपलब्धि मण्डल की टीम के सामूहिक प्रयासों और मेहनत का परिणाम है।

आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि विगत वर्षों में बुधवार नीलामी उत्सव, ई-बिड सबमिशन एवं ई-ऑक्शन जैसे नवाचारों के जरिये 16 हजार से अधिक अधिशेष सम्पत्तियों के निस्तारण, कोचिंग हब, विधायक आवास, मुख्यमंत्री जन आवास योजना, एआईएस एवं एसएस रेजीडेंसी, जयपुर चौपाटी जैसी परियोजनाओं तथा प्रशासनिक सुधार के लिये किये गये सफल प्रयासों के चलते राजस्थान आवासन मण्डल ने नई पहचान कायम की है। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि मण्डल के अधिकारियों-कार्मिकों की मेहनत एवं कार्यकुशलता से मंडल को राष्ट्रीय स्तर पर एक के बाद एक अवॉर्ड एवं सम्मान प्राप्त हो रहे हैं। इससे आमजन में मण्डल की प्रतिष्ठा फिर से कायम हुई है।

आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि बीते करीब साढे तीन वर्षों में मण्डल को इण्डियन बिल्डिंग कांग्रेस, नेशनल रियल एस्टेट काउंसिल नई दिल्ली, स्कॉच ग्रुप जैसी संस्थाओं से कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि वर्ष 2020 में बुधवार नीलामी उत्सव के तहत मात्र 12 दिन में 185 करोड़ रूपये मूल्य की 1213 सम्पत्तियों के विक्रय, वर्ष 2019 में मात्र 35 कार्यदिवसों में 1010 मकान बेचने तथा मानसरोवर एवं प्रताप नगर चौपाटी में नवम्बर, 2021 से मार्च, 2022 के दौरान पहले 5 माह में 6 लाख 10 हजार 670 लोगों के प्रवेश (फुट-फॉल) को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस ने अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान के रूप में मान्यता दी है।

हाउसिंग कैटेगरी में वर्ष 2021 के स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड के बाद स्कॉच गोल्ड अवॉर्ड- 2022 इसी दिशा में एक और कडी है।

सम्पादकीय

साइडइफेक्ट गुटबाजी के

राजस्थान कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। प्रदेश के सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच तल्खी एक बार फिर सामने आ गई है। पायलट के खिलाफ गहलोत का हालिया आक्रामक बयान इस बात का सबूत है। आलाकमान ने कई बार इसे ठीक करने की कोशिश की लेकिन हालत जस की तस है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बीते दिनों कांग्रेस नेता सचिन पायलट के खिलाफ दिया गया आक्रामक बयान न तो अचानक आया है और न ही इसे अप्रत्याशित माना जा सकता है। इसकी टाइमिंग जरूर कांग्रेस आलाकमान के लिए परेशानी पैदा करने वाली है, लेकिन इसके पीछे पार्टी में पर्दे के पीछे चलने वाली गतिविधियां हैं। पायलट और गहलोत दोनों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर रस्साकशी के चलते पार्टी में इतनी बार और इतनी बड़ी उठापटकें हो चुकी हैं कि अब उसमें किसी तरह का रहस्य नहीं रहा।

आश्चर्य की बात कुछ हो सकती है तो यही कि दोनों गुटों में दुश्मनी की हद तक जाने वाली कड़वाहट और आलाकमान की ओर से इस विवाद को समय रहते हल करने की कोशिशों के बावजूद समस्या जस की तस है। जहां पायलट को यह जायज शिकायत हो सकती है कि कथित तौर पर आलाकमान का बारंबार आश्वासन मिलने के बाद भी सीएम पद से उनकी दूरी कम होने का नाम नहीं ले रही, वहीं गहलोत की यह आशंका भी निराधार नहीं है कि मौका मिलते ही पायलट कांग्रेस नेतृत्व के संरक्षण से उनकी कुर्सी छीन सकते हैं। अब जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में प्रवेश करने वाली है, तब दो दिन पहले गुर्जर नेता विजय सिंह बैंसला ने पायलट को जल्दी मुख्यमंत्री बनाने की मांग करते हुए चेतावनी दे दी कि ऐसा न करने पर राजस्थान में यात्रा का विरोध होगा। हालांकि इससे पहले भी पायलट के पक्ष में दबाव बनाने की प्रत्यक्ष या परोक्ष कोशिशें होती रही हैं, लेकिन बैंसला की मांग के बाद प्रियंका गांधी के साथ पायलट भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए।

इससे कुछ हलकों में माना गया कि संभवतः अब पार्टी में सर्वोच्च स्तर पर पायलट के पक्ष में फैसला हो जाएगा। ऐसे में गहलोत ने अपने आक्रामक बयान के जरिए अपने समर्थकों को को ही नहीं, विरोधियों को भी आगाह कर दिया कि वह किसी भी प्रतिकूल फैसले को खामोशी से स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल राजस्थान का विवाद कांग्रेस नेतृत्व के लिए इधर कुआं, उधर खाई की स्थिति साबित हो रहा है। भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान पार करने से पहले कोई भी फैसला उस पर विपरीत प्रभाव डालेगा। इसके अलावा अशोक गहलोत गुजरात विधानसभा चुनावों के प्रभारी हैं। उस लिहाज से भी तत्काल उनके खिलाफ किया गया कोई फैसला ठीक नहीं होगा। राजस्थान विधानसभा चुनाव भी अगले साल ही होने हैं। ऐसे में अगर नेतृत्व परिवर्तन करना है तो उस लिहाज से भी देर करना घातक हो सकता है। लेकिन अगर कुछ न किया जाए तो उसके भी अपने नुकसान हैं क्योंकि पायलट सीएम पद से कम किसी भी चीज पर संतुष्ट होंगे इसके आसार नहीं दिख रहे। कुल मिलाकर राजस्थान विवाद कांग्रेस नेतृत्व के लिए ऐसी भूलभुलैया बन चुका है, जिससे निकलने का कोई रास्ता उसे नजर नहीं आ रहा।

इसी दौर में हमें यह भी याद आता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' की ग्लोबल प्रेस फ्रीडम रेंकिंग में 180 देशों के बीच 150वें नंबर पर पहले ही पहुंच चुका है। आज सरकार की आलोचना करने वालों को अकसर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।

मीडिया की दुनिया में कॉर्पोरेट हस्तियों का आना

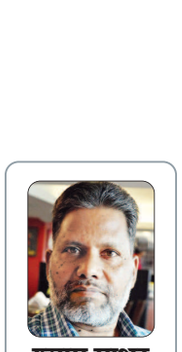

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

अडानी जैसे अरबपति कारोबारी के हाथों में एनडीटीवी का नियंत्रण आ जाने को कुछ लोग देश में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए खतरा मानते हैं। अडानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्का समर्थक माना जाता है और विपक्षी दलों का तो यहाँ तक कहना है कि मोदी सरकार की ज्यादातर नीतियाँ अंबानी और अडानी जैसे कारोबारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही हैं।

दुनिया के तीसरे सबसे अमीर आदमी और करीब 134 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक गौतम अडानी ने एनडीटीवी चौनल में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी कर ली है और अब वे देश के मीडिया को नसीहत देने की भूमिका में भी नजर आने लगे हैं। कुछ महीने पहले चुपके से एनडीटीवी के शेयर खरीद कर उसे अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश करने वाले गौतम अडानी के कारोबारी हितों में ऑस्ट्रेलिया की कोयले की खदानों से लेकर भारत के व्यस्ततम बंदरगाह तक शामिल हैं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्का समर्थक माना जाता है और विपक्षी दलों का तो यहाँ तक कहना है कि मोदी सरकार की ज्यादातर नीतियाँ अंबानी और अडानी जैसे कारोबारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही हैं।

अपने दम पर अरबपति बने गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ कर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बनने का रुतबा हासिल किया है। नरेंद्र मोदी की तरह ही अडानी भी गुजरात से आते हैं और बीते सालों में उनके कारोबार का पहिया बहुत तेजी से घूम रहा है। एयरपोर्ट से लेकर अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी कंपनी ने तेजी से पैर फैलाए हैं, हालांकि उनके पूंजीवादी कारोबार और कंपनी के माथे पर बढ़ते कर्ज से चिंताएं भी बढ़ रही हैं। फिंच ग्रुप के क्रेडिट साइट्स के विश्लेषकों ने अगस्त में चेतावनी दी थी कि इस समूह को 'जरूरत से ज्यादा फायदा उठाने' के मौके दिये जा रहे हैं।

इसी साल अगस्त में अडानी ग्रुप की एक कंपनी ने बताया कि उसने चौनल मैनेजमेंट की इच्छा के विरुद्ध अप्रत्यक्ष रूप से एनडीटीवी के 29 फीसदी शेयर खरीद लिए हैं और अगले महीने कंपनी की बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है।

अडानी जैसे अरबपति कारोबारी के हाथों में एनडीटीवी का नियंत्रण आ जाने को कुछ लोग देश में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए खतरा मानते हैं। ब्रिटेन के अखबार 'फाइनेंशियल टाइम्स' को हाल ही दिये एक विस्तृत इंटरव्यू में अडानी ने कहा है कि मीडिया में उनका आना कारोबारी मौके के बजाय एक 'जिम्मेदारी' है। अडानी ने इसके साथ ही यह भी कहा कि मौजूदा समय में भारत को एक वैश्विक समाचार संगठन की जरूरत है जो 'अल जजीरा' जैसा हो और जो जरूरत पड़ने पर सरकार का समर्थन करे। इंटरव्यू में अडानी ने कहा, 'आजादी का मतलब है कि जब सरकार कुछ गलत करे, तो आप उसे गलत कहें, लेकिन इसके साथ ही आप में यह हिम्मत भी होनी चाहिए कि जब सरकार हर दिन सही काम कर रही हो तो आपको उसे भी बताना चाहिए।' अरबपति कारोबारी का यह कहना कि मीडिया में सरकार का समर्थन करने की 'हिम्मत' होनी चाहिए, दरअसल उस स्थिति की तरफ इशारा करता है, जिसमें सत्ताधीश यही चाहते हैं कि मीडिया उनके गलत और संविधान विरोधी कामों पर भी उंगली नहीं उठाए। सब जानते हैं कि एनडीटीवी चैनल सरकार की हां में हां नहीं मिलाता, बल्कि वह एक सच्चे पहरुए की तरह यथासंभव ईमानदारी से अपनी भूमिका को निभाने की कोशिश करता रहा है। एनडीटीवी को देश के एक प्रमुख मीडिया हाउस का दर्जा हासिल है और इसके पास 3 दशकों से विश्वसनीय ख़बरें देने का अनुभव है। इसके पास एनडीटीवी 24म7, एनडीटीवी इंडिया और एनडीटीवी प्रॉफिट नाम के 3 न्यूज़ चैनल हैं। एनडीटीवी की ऑनलाइन उपस्थिति भी दमदार है, जहाँ वो विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर 3.5 करोड़ फॉलोवर्स के साथ सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले चैनलों में से एक है। एनडीटीवी देश में दिखाये जाने वाले टीवी चैनलों की बेहिसाब भीड़ में थोड़ा अलग दिखता है, जो सरकार के आलोचकों को अपनी बात रखने के लिए मंच देने के साथ ही सरकार की नीतियों के बारे में लगातार रिपोर्ट करता है। एनडीटीवी पर पहले से ही कई कानूनी मामले चल रहे हैं और चैनल मालिकों का कहना है कि उनकी रिपोर्टिंग की वजह से ये मामले दायर किये गये हैं।

इसी दौर में हमें यह भी याद आता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' की ग्लोबल प्रेस फ्रीडम रेंकिंग में 180 देशों के बीच 150वें नंबर पर पहले ही पहुंच चुका है। सरकार की आलोचना करने वालों को अकसर कानूनी कार्रवाई और सोशल मीडिया पर बीजेपी समर्थकों की नाराजगी और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। इन हालात में भी गौतम अडानी ने कहा है कि वे एक वैश्विक समाचार ब्रांड स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में एक भी ऐसा मीडिया संस्थान नहीं है, जिसकी तुलना 'फाइनेंशियल टाइम्स' या 'अल जजीरा' से की जा सके।

एनडीटीवी की स्थापना 1988 में की गई थी। इसके प्रमोटर प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय हैं। उनके पास करीब कंपनी की 32 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। रॉय दंपति का कहना है कि अडानी ग्रुप ने एनडीटीवी को खरीदने के बारे में उनसे कोई बात नहीं की थी। विपक्ष ने आशंका जताई है कि अडानी के मालिक बनने से एनडीटीवी की संपादकीय नीति प्रभावित होगी। हालांकि दुनिया के ज्यादातर देशों में मीडिया घरानों पर कॉर्पोरेट दुनिया का कब्जा है, लेकिन हमारे देश में अभी यह चलन बहुत कम है। आज भी ज्यादातर मीडिया घरानों को ऐसे लोग संचालित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रूप से इस कारोबार में हैं। लेकिन संकेत साफ हैं कि ज्यादा दिनों तक यह स्थिति कायम नहीं रह पाएगी। बड़े अमीर कॉर्पोरेट घरानों के इस मैदान में आने से जल्द ही हमें मीडिया के परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन नजर आएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

सामाजिक मीडिया : विचारों को नियंत्रित करने का खेल

आज पूरे विश्व में मानव आबादी के एक बड़े भाग के हाथ में हर समय मोबाइल फोन रहता है जिसके द्वारा उसे बहुत सारी सूचनाएं मिलती रहती हैं। एक सीमा तक सूचनाएं मिलना अच्छी बात होती है पर इसके लिए आवश्यकता इस बात की है कि सूचनाएं तथ्यों पर आधारित एवम् जीवनोपयोगी हों। पर क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है ? क्या फेसबुक, ट्वीटर, यू ट्यूब और गूगल पर जो कुछ लिखा या सुना जा रहा है वह उनके उपभक्ताओं के जीवन में कोई सुधार ला रहा है ? यहां इस बात को याद कर लेना उचित होगा कि प्रकाशित होने वाले अखबार में जो कुछ भी लिखा जाता है इसके लिए संपादक या लेखक इस बात के लिए नैतिक और कुछ हद तक कानूनी तौर पर जिम्मेदार होते हैं कि जो लिखा गया है वह झूठ का पुलिंदा या कोई चुराई हुई सामग्री नहीं है पर सोशल मीडिया पर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है, वहां पर कॉपी पेस्ट या तथ्यहीन बाते धड़ल्ले के साथ अपने नाम से लिखी जाती हैं।

डॉ. रामावतार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

किसी भी अस्तित्वहीन जापानी वैज्ञानिक, अमेरिकन यूनिवर्सिटी, भारत के वेद या इजरायल के अन्वेषक के नाम से वाहियात बातें लिख कर वायरल कर दी जाती हैं जिन्हे नासमझ लोग सत्य मान कर आगे प्रसारित करते रहते हैं। अब राजनीतिक चरित्रहनन, व्यक्तिगत आक्षेप, धार्मिक हिंसा या झूठ, जातीय कट्टरता, झूठे और बिगाड़े हुए वीडियो ज्यादतर लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं जो काफी खतरनाक रूप ले रहा है। अच्छे खासे पढ़े लिखे लोग झूठी बातों को सत्य का रूप दे कर चारों तरफ फैलाने में आनंदित हो रहे हैं। असत्य, गाली गलोच आदि को सीखने के लिए कभी भी किसी विद्यालय की आवश्यकता नहीं रही है, ये हर किसी के व्यक्तिव में दूध में पानी की तरह घुल जाते हैं तो फिर इनका दुरुपयोग क्यों नहीं होगा ?

सामाजिक मीडिया के मालिक, राजनीति के शातिर एवम् सत्तालोलुप खिलाड़ी और धार्मिक व्यवसायिक चरमपंथी सभी मिलकर इन मानवीय कमजोरियों का लाभ उठाने में जुट गए हैं। यहां उन्हे विज्ञापन, डाटा, मतदाता और भक्त उपभोक्ता सभी एक झुंड के रूप में मिल जाते हैं। मानव समाज तेजी से भेड़ों के समूहों में तब्दील होता जा रहा है और कुछ लोग गडरियों के इशारों या हलकारों की तरह सोशल मीडिया द्वारा इन्हे नियंत्रित कर रहे हैं।

चूंकि पाठक प्रारंभ में सच्ची सूचनाओं के लिए सोशल मीडिया में जाता है जिसके कारण वह प्रारंभिक दिनों में विश्वास कर झूठ को सच मान लेता है। यह झूठ को सच मानना बहुत खतरनाक होता है क्योंकि इससे व्यक्तिव और सामाजिक ढांचे को तहस नहस होने में ज्यादा समय नहीं लगता। एक समय के बाद निरपेक्ष लोग भी झूठ को सच सिद्ध करने की मुहिम में जुट जाते हैं और कुछ लोगों का तो यह सबकुछ जीवन का एकमात्र उद्देश्य हो जाता है। ये बातें भविष्य की किसी विस्फोटक स्थिति की जन्मदाता हो सकती हैं। एक समय में जर्मन पादरी मार्टिन लूथर और आगे चलकर हिटलर में क्रमशः अखबार और रेडियो का सहारा लेकर यहूदियों के प्रति घृणा और कत्लेआम को अंजाम दिया था। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की गति तो इन दोनों से सैकड़ों गुणा ज्यादा है तो भविष्य के गर्भ में क्या छुपा है इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

मीडिया कंपनी हर उपभोक्ता के स्वभाव, रहन सहन और खानपान को कृत्रिम बुद्धिमता से जानने लगती हैं जिसके फलस्वरूप उन्हें वैसा ही सामान परोसा जाने लगता है। इस विधि के कारण विश्व के सारे अतिवादी एक ही ग्रुप में आसानी से सम्मिलित हो जाते हैं। अब ये लोग नफरत, झूठ और हिंसा ही नहीं फैलाते हैं बल्कि सामाजिक पुलिस की भूमिका भी निभाने लगते हैं। गाली, धमकी और धौंस के बल पर ये लोग किसी तर्क संगत या सत्य बात को कहनेवालों को मीडिया से दूर भगा देते हैं और बेधड़क हो कर इस अनियंत्रित माध्यम द्वारा समाज के बड़े हिस्से के विचारों को अपने हिसाब से मोड़ने लगते हैं।

आगे जो स्थिति नजर आती है उसमें ज्ञान से भरी किताबें और सत्य दोनों ही देश के बहुमत के लिए अर्थहीन होने वाली हैं। झूठ पर आधारित अहंकार और जन निष्क्रियता समाज का प्रमुख अंग बन सकते है। सत्य और सामंजस्य अर्थहीन हो सकते हैं। व्यक्ति की जगह उसकी फोटो एक दूसरे के पास आएंगी। संवाद की जगह फोरवर्डेड मैसेज की बाढ़ आएगी। कोई एक दूसरे को दिल से ना तो चाहेगा और ना ही जानेगा। रात दिन अपनी ही तस्वीरें प्रकाशित कर लोग आत्म मुग्ध हुए मानसिक प्रताड़ना और अकेलेपन का जीवन जीने लगेंगे। आत्महत्या की भावनाओं में जकड़ा या स्वजन प्रताड़ना से त्रस्त समाज धूर्त राजनेताओं और सोशल मीडिया मुगल्स के हाथों भेड़ों के विशाल झुंडों में परिवर्तित होता जायेगा जहां आर्थिक और रानीतिक नेता रूपी गडरिए उन्हें एक आवाज के साथ चिल्लाने, हंसने, नाचने, ताली थाली बजाने को प्रेरित कर अपनी शक्ति को जानते रहेंगे और आलीशान मकानों में ठहाके लगाते रहेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

भारत को विश्व गुरु बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका

भारतीय शिक्षा का विकास-भारत में व्यवस्थित शिक्षा का एक लम्बा इतिहास है। तथा यह विकास का क्रम वर्तमान में भी जारी है भारतीय शिक्षा के विकास के क्रम को निम्न काल खण्डो से समझ सकते है-

नरेन्द्र फोगाट
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

1. प्राचीन कालीन शिक्षा- शिक्षा की प्राचीन व्यवस्था गुरुकुल पद्धति सम्पूर्ण विश्व की एक प्राचीनतम व्यवस्था है, जिसमें गुरु-शिष्य परम्परा विद्यमान थी। परम्परावादी आवासीय विद्यालय आश्रम, गुरुकुल (गुरु का आवास) कहलाते थे पुराण, दर्शन, साहित्य, युद्धकला, गणित, चिकित्सा ज्योतिष, खगोल शास्त्र व इतिहास की शिक्षा देते थे। इस काल में तक्षशिला, नालन्दा मिथिला, बनारस आदि प्रमुख संस्थान विकसित हुये। जैसे तक्षशिला (चिकित्सा), उज्जैन (खगोल- शास्त्र), वलभी, विक्रमशिला, मिथिला आदि महत्वपूर्व विश्वविद्यालय थे नालन्दा विश्व विद्यालय ज्ञान का बड़ा केन्द्र था।

2. ब्रिटिश कालीन शिक्षा- ईस्ट इण्डिया कम्पनी की शिक्षा नीति के तहत 1781 ई. में सर्वप्रथम वारेन हेस्टिंग्ज ने कलकता में अरबी व फारसी भाषा के लिए मदरसा खोला। 1731 ई. में जोनाथन डंकन ने बनारस में पहला संस्कृत विद्यालय खोला। सन 1791 ई. में लार्ड मैकाले ने भारत में शिक्षा का उद्देश्य अंग्रेजी माध्यम से यूरोपीय साहित्य व विज्ञान का प्रचार करना घोषित किया। जिससे अंग्रेजी शासन में सहायक, पाश्चात्य शिक्षा में रंगे भारतीय तैयार हो सके। सन् 1854 ई. में चार्ल्स वुड में अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई इस कमेटी ने वुड्स डिस्पेच घोषणा पत्र भी कहा जाता है इस घोषणा पत्र मे प्रारम्भिक शिक्षा मातृभाषा में हो इस पर जोर दिया। भारतीय शिक्षा का मेग्ना कार्टा चार्ल्स वुड डिस्पेच को कहा जाता है। गोपाल कृष्णा गोखले ने 1910 ई. में केन्द्रीय विधानसभा में प्राथमिक शिक्षा को निःशुल्क एवं अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव रखा। सन् 1937 में महात्मा गांधी ने शिल्प पर आधारित बेसिक शिक्षा योजना या बुनियादी शिक्षा प्रस्तुत की।

3. स्वतन्त्रता पश्चात भारत में शिक्षा का विकास- स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् भारतीय शिक्षा में संविधान लागू होने के पश्चात कुछ विशिष्ट बातों को छोड़कर शिक्षा सम्बन्धी एवं व्यवस्था के अधिकार राज्यों को दे दिये थे परन्तु सन् 1977 ई. में किये गये संविधान संशोधन के द्वारा शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया गया जिससे केन्द्र एवं राज्य दोनों कानून बनाने का अधिकार रखते है। सन 1948-49 में डॉ राधा कृष्णन की अध्यक्षता मे गठित आयोग ने शिक्षा क्षेत्र में अनेक सुझाव दिये। उसके बाद सन् 1952-53 में डॉ. लक्ष्मण स्वामी मुदालियर की अध्यक्षता में गठित किये गये माध्यमिक शिक्षा आयोग ने अनेक सुधार हेतु सिफारिशे की। उसके पश्चात सन् 1964- -66 में डॉ. दौलतसिंह कोठारी की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग का गठन किया गया। सन् 1968 में भारत सरकार ने कोठारी आयोग के सुझाव के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की। सन 1992 में प्रो0 यशपाल की अध्यक्षता मे कि समिति का गठन किया उन्होने 1993 ई. में स्कूल छात्रों को शैक्षिक बोझ को गुणवता बनाये रखते हुये कम करने के सम्बंध में अनेक सुझाव दिये। सन् 1985 में भारत सरकार ने शिक्षा की चुनौती नीति सम्बन्धी परिप्रेक्ष्य नामक दस्तावेज तैयार कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के नाम से लागू किया।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण (ISRO) प्रमुख डॉक्टर के, कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में निर्मित की गई। 21वी सदी के 20 वें साल में भारत में नई शिक्षा नीति आई है लगभग 34 साल बाद 2020 में पुनः नई शिक्षा नीतिका लेकर अहम बदलाव किये गये हैं। वहीं हाल में मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय को अब शिक्षा मन्त्रालय के नाम से जाना जाता है मई 2019 में कस्तूरीरंगन समिति राष्ट्रीय शिक्षा नीति का नया रूप सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जिसे केबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत 2030 तक शैक्षिक प्रणाली को निश्चित किया गया है वर्तमान में चल रहे 102 के मॉडल के स्थान पर पाठ्यक्रम में 5334 की शैक्षिक प्रणाली के आधार पर पाठ्यक्रम को विभाजित किया जायेगा ।

नई शिक्षा नीति की विशेषताएँ- नई शिक्षा नीति स्वतन्त्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति है जिसमें बुनियादी शिक्षा पर जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत शैक्षिक क्षेत्र को तकनीकी से भी जोड़ा जायेगा जिसमें सभी स्कूलो को डिजिटल इक्विपमेन्ट दिये जायेगे। छठवीं कक्षा से बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) दे दी जायेगी व कोडिंग सिखाई जायेगी। शैक्षिक गुणवत्ता को उच्च रखने के लिए क्षेत्रों में वर्चुअल लेब भी बनायी जायेगी।

नई शिक्षा नीति के उद्देश्य- इस नीति का उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र में भारत कोवैश्विक महाशक्ति बनाना है और भारत के लिए नई शैक्षिक नीतियों के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में शिक्षा का उचित स्तर प्रदान करना है। जिससे शैक्षिक क्षेत्र की गुणवता उच्च हो सके। भारत में बच्चो को तकनीकी तथा रचनात्मकता के साथ साथ शिक्षा की गुणवत्ता के महत्व से अवगत कराना नई शिक्षा नीति का उद्देश्य है जिससे शिक्षा की गुणवता में सुधार हो सके। शिक्षा में गुणवता लाने के लिए यह केन्द्र सरकार द्वारा लागू किये जाने वाली प्रभावी नीति है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

वह ब्रह्म का बोध रूप तो देखता है, उसका अनुभव भी करता है, किन्तु ब्रह्म क्या है? यह मुंह से नहीं कह सकता। ब्रह्म सच्चिदानन्द के समुद्र हैं जिनका कोई ओर-छोर नहीं है। किन्तु भक्तों के पास ईश्वर साकार रूप धारण करते हैं। मानो अथाह जल पर तैरती बर्फ है। ज्ञान सूर्य का उदय होने पर बर्फ गल जाती है जो ब्रह्म के रूप में बर्फ था वह सूर्य रूपी ज्ञान की गर्मी से गल कर पानी हो जाता है। अब बर्फ नहीं दिखाई देती, ज्ञानी का मैं भाव मिट जाता है, फिर कौन कहे ब्रह्म कैसे हैं। पूर्ण ज्ञान होने पर मनुष्य चुप हो जाता है। फिर जरा भी भेद बुद्धि नहीं रहती। घड़ा भर जाने से घड़े का जल और तालाब का जल एक हो जाने से फिर शब्द नहीं होता, किन्तु मनुष्य का मैं पना मिटना मुश्किल है। इसलिए मैं भक्त हूं यह अभिमान ही अच्छा है। केवल इतना जानना ही पर्याप्त है कि ईश्वर हमारे अपने हैं। वे हमारी प्रार्थना सुनते हैं। वे ही संसार का सृजन पालन और संहार करते हैं, उनमें अनन्त शक्ति है। ब्रह्म, शिव और शक्ति, दोनों स्वरूप है। ब्रह्म निष्क्रिय है, किन्तु उसमें शक्ति अप्रकट रूप से निहित रहती है। जैसे काठ में अग्नि। शक्ति के प्रकट होते ही ब्रह्म का नाम शक्तिमान शिव हो जाता है। पहले जो ब्रह्म एक था वह शिव और शक्ति दो रूपों में विभक्त हो गया।

क्रमशः

वर्ल्ड क्लिक

अमेरिका के हवाई द्वीप पर दुनिया का सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी मौउना लोआ है। 1984 से लेकर अब तक यह शांत था लेकिन न जाने क्यों 28 नवंबर की रात गुस्से से फट पड़ा. अब वह लावा उगल रहा है।

जागरूक जनता Selfie विद सन

किट्टू सन राधिका बेंदाड़ा, बस्सी, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 30/11/2022

सूर्योदय : 07:05 **सूर्यास्त :** 17:17 **चन्द्रोदय :** 12:54 **चन्द्रास्त :** 24:11
शक सम्वत : 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना :** मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत :** मार्गशीर्ष **सूर्य राशि :** वृश्चिक **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** सप्तमी, 08:59 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत :** 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत :** 2079 आनन्द **चन्द्रमास मार्गशीर्ष :** पूर्णिमान्त **मार्गशीर्ष :** अमान्त

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : शतभिषा, 30:03 तक
योग : व्याघात, 11:59 तक
प्रथम करण : वणिजा, 08:59 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 20:10 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:03 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:30 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:47 ए एम से
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:22 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:25 पी एम से
अमृत काल	10:05 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:41 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	06:51 ए एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : दक्षिण में
राहु काल वास दक्षिण में
चन्द्रवास : उत्तर में
होमाहुति : सूर्य

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:05 - 08:21	उद्वेग	: 05:16 - 07:00
अमृत	: 08:21 - 09:37	शुभ	: 07:00 - 08:43
काल काल वेला	: 09:37 - 10:54	अमृत	: 08:43 - 10:27
शुभ	: 10:54 - 12:10	चर	: 10:27 - 12:11
रोग वार वेला	: 12:10 - 01:27	रोग	: 12:11 - 01:54
उद्वेग	: 01:27 - 02:43	काल	: 01:54 - 03:38
चर	: 02:43 - 03:59	लाभ	: 03:38 - 05:22
लाभ	: 03:59 - 05:16	उद्वेग	: 05:22 - 07:06

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, शुक्ल, सप्तमी, 2079 बुधवार, 30 नवम्बर - 6 नवम्बर, 2022

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण कराना कानूनन अनिवार्य

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 एवं राजस्थान जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2000 के तहत जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण कराना कानूनन अनिवार्य हैं। इस अधिनियम के तहत चिकित्सा संस्थान (जिला चिकित्सालय, प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द) को भी जन्म-मृत्यु पंजीयन के लिए उप रजिस्ट्रार के रूप में अधिकृत किया गया हैं। उप रजिस्ट्रार का यह दायित्व है कि उसके संस्थान परिसर में घटित होने वाली समस्त समस्त घटनाओं का 21 दिवस के भीतर पहचान पोर्टल पर शत प्रतिशत पंजीयन करें।

सीएचसी का किया निरीक्षण

जिला रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु एवं सहायक निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी, चित्तौड़गढ़ डॉ. सोनल राज कोठारी ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, साड़ास एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगरार का निरीक्षण किया। पीसीटीएस व पहचान पोर्टल पर दर्ज घटनाओं का अवलोकन करने पर पाया गया कि परिसर में घटित होने वाली समस्त घटनाओं का समय पर पंजीयन नहीं किया जा रहा है। सम्बधित रजिस्ट्रार वीडीओ के यहां कार्यभार बढ़ता है।

रणथम्भौर से आई खुशखबरी

बाघिन टी-124 रिद्धी बनी मां, पर्यटकों को शावक शिफ्ट करती हुई दिखाई दी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक बार फिर से खुश खबरी आई है। रणथम्भौर में एक बार फिर से किलकारी गूंजी है। अबकी बार यहां बाघिन टी-124 रिद्धी ने शावकों को जन्म दिया है। बाघिन रिद्धी के शावकों को जन्म देने की खबर से फिलहाल रणथम्भौर का माहौल खुशनुमा हो गया है।

रणथम्भौर के ACF (सहायक वन संरक्षक) मानस सिंह ने बताया कि रणथम्भौर के जोन नम्बर तीन में मंगलवार को टाइगर सफारी के दौरान बाघिन को पर्यटकों ने एक शावक को ले जाता हुआ देखा है। यहां बाघिन राजबाग लेक पास दुध बाबड़ी के नाले में शावक को ले जाता हुआ दिखाई दी थी। जिसके बाद रणथम्भौर में खुशी का माहौल है। पूर्व में बाघिन की शारीरिक सरंचना में बदलाव तो दिखाई दे रहे थे, लेकिन शावक नहीं दिखाई देने से शावकों को जन्म देने की पुष्टी नहीं हुई थी। अब पर्यटकों के बाघिन के शावक को ले जाते हुए दिखाई देने पर शावक को जन्म देने की पुष्टि हुई है। फिलहाल बाघिन के दो शावकों को जन्म देने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन मंगलवार को बाघिन का एक शावक देखा गया है। गौरतलब है कि बाघिन टी-124 रिद्धी बाघिन ऐरोहेड़ की संतान है। जिसकी उम्र करीब साढ़े चार साल है। बाघिन रिद्धी रणथम्बौर जोन नम्बर तीन और चार में रहती है। जो पहली बार मां बनी है। रणथम्भौर में अबी 77 बाघ बाघिन और शावक है।

जार ने केन्द्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री को पत्रकारों व मीडिया से जुड़े मुद्दों से कराया अवगत

सप्ताह भर में मिलेंगे आरएनआई नंबर-ठाकुर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से यहां पधारे एक कार्यक्रम में मुलाकात की और पत्रकारों हितों से जुडे मुद्दों से अवगत कराया। ठाकुर को पत्रकारों से संबंधित ज्ञापन देकर वर्किंग जर्नलिस्ट्स एक्ट को यथावत रखने, जर्नलिस्ट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करवाने, मीडिया काउंसिल के गठन, समाचार पत्रों में वेजबोर्ड के प्रावधानों को लागू करवाने, आरएनआई में समाचार पत्रों के पंजीयन, आरएनआई नंबर जारी करने में हो रहे विलम्ब को दूर करने जैसे पत्रकार हितों के मुद्दों से अवगत कराया। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आरएनआई,डीएवीपी और पीआईबी में काफी नियम पेचीदा है। अखबार पंजीयन व आरएनआई नम्बर लेने के लिए महीनों लग जाते हैं। इस व्यवस्था को ऑन लाइन करके सुधारा जा रहा है। ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि एक सप्ताह में ही आरएनआई नम्बर मिल सके। लोगों को दिल्ली नहीं आना पड़े। ऐसे आरएनआई नम्बरों को निरस्त करने और नियम बनाने की बात कही, जो सिर्फ कागजों में ही है। ठाकुर ने मीडिया सुधारों के लिए जल्द ही नए कानून व नियम बनाने की कही। रजत महोत्स में भी केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे प्रेस एक्ट को बदला जाएगा। केन्द्रीय मंत्री को ज्ञापन देने के दौरान जार के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, प्रदेश महामंत्री संजय सैनी, प्रदेश सचिव भाग सिंह, मुकेश शर्मा, जयपुर जार जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा, संयोजक रामजीलाल शर्मा, रामगोपाल पारीक, मनीष शर्मा, प्रहलाद योगी, जितेन्द्र चौहान, जितेन्द्र शर्मा, विनय शर्मा, नरेन्द्र दातोलिया आदि साथ रहे।

हिन्दुस्तान जिंक की तत्परता और कुशल फायर एण्ड रेस्क्यू टीम की कार्रवाई से टला बड़ा हादसा

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनत। हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर की हाइड्रो प्लांट की एक इकाई में रविवार शाम आग लगने की घटना में कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्परता और कुशल फायर और रेस्क्यू टीम की कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही इकाई के आस पास कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। चंदेरिया ज़िंक स्मेल्टर में फायर हाईड्रेंट सिस्टम से फायर टेंडर के लिये पानी की कमी नही आयी और आग बुझाने के संसाधनों की सुविधा पर्याप्त उपलब्ध थी। कुशल टीम ने आग को अन्यत्र बढ़ने नही दिया और 1 घण्टें में आग पर काबू पा लिया। ज़िंक के अनुसार आग लगने के कारणों के लिए विस्तृत जांच की जाएगी। हिंदुस्तान ज़िंक स्थिति को नियंत्रण एवं त्वरित सहयोग के लिए जिला प्रशासन और अन्य उद्योगों के आभारी हैं।

बीओबी किसान मेले में 41 करोड़ के ऋण स्वीकृत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनत। निंबाहेड़ा में होटल रॉयल पारस में बैंक ऑफ बड़ौदा भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा एक वृहद किसान मेले का आयोजन किया गया। इस किसान मेले में चित्तौड़गढ़ जिले की विभिन्न शाखाओं से जुड़े किसानों को किसान पखवाड़ा कार्यक्रम जिसका आयोजन बैंक द्वारा 14 नवम्बर से 30 नवम्बर तक किया जा रहा है। इस अवधि में स्वीकृत 41 करोड़ के ऋण प्रस्तावों के स्वीकृत पत्र जारी किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख आर.पी.मीणा ने किसानों को बैंक की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शाखा प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दस दिवसीय जनाक्रोश यात्रा 4 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बस्सी। राज्य की कांग्रेस सरकार के जनविरोधी कार्यकलापों के विरोध में बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 4 दिसम्बर से 13 दिसंबर तक चलने वाली दस दिवसीय जनाक्रोश यात्रा के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है। यात्रा के मीडिया प्रमुख एवं बस्सी नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन सुधीर मोहन शर्मा ने बताया कि अनिल भूड़ला के संयोजन में यह यात्रा 4 दिसम्बर की प्रातः 9 बजे कानोता के चतुर्भुज मन्दिर से प्रारम्भ होगी जिसका 13 दिसम्बर को शाम 6 बजे देवगांव में समापन होगा। यात्रा पहले दिन कानोता से रवाना हो कर 11बजे हीरावाला, 12.30 बजे रामरतनपुरा,2बजे ड्योढ़ा चौड़, 3 बजे गीला की नांगल, 5.15 बजे हरडि, 6 बजे घाटा, 7 बजे भोजपुरा होते हुए 7.30 बजे बैनाड़ा पहुँच कर विसर्जित होगी। यात्रा के लिए प्रत्येक दिवस के कार्यक्रम संयोजक भी नियुक्त किये गये हैं। प्रथम दिन वीरेंद्र सिंह व्यवस्था देखेंगे जबकि 5 दिसंबर को मदन बागड़ा,6 को ओमप्रकाश शर्मा, रामकेश मीणा और शिव कल्याणपुरा, 7 को सुरेश, पप्पूलाल मीणा, 8 को धर्मसिंह, 9 को नाथूलाल गुर्जर, 10 को महेश शर्मा, 11 को राजेन्द्र एवं राजू जोशी, 12 को कजोड़ मीणा व 13 दिसंबर को श्यामलाल गुप्ता यात्रा संयोजक का दायित्व वहन करेंगे। यात्रा में भोजन व्यवस्था जनजाति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्रवण लाल मीणा कानोता करेंगे।

जागरूक खबरें

■ देशी पाठ्यक्रम 3 से

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। कृषि महाविद्यालय, सुवाणा भीलवाड़ा के द्वारा कृषि आदान विकेताओं के लिए एक वर्षीय देशी पाठ्यक्रम 3 दिसम्बर से शुरू किया जायेगा। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. के एल जीनगर ने बताया कि पाठ्यक्र म में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास है। पाठ्यक्रम का शुल्क 20 हजार रूपए रहेगा। एक बैच में 40 आदान विकेता शामिल किए जायेंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल संख्या 9414210946 पर सम्पर्क कर सकते है।

■ किसान प्रशिक्षण जल्द

बाड़मेर @ जागरूक जनता। कृषि विज्ञान केन्द्र, गुडामालानी के द्वारा जल्द ही मुर्गीपालन विषय पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रशिक्षण के लिए किसान आधार कार्ड, 10वीं की अंकतालिका और दो फोटो के साथ केन्द्र को अपना आवेदन दे सकते है। केन्द्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. बीएल मीणा ने यह जानकारी दी।

■ नर्सिंग छात्रा अनमोल ने जीता कांस्य पदक

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान जूडो एसोसिएशन के तत्वाधान में 26-27 नवंबर 2022 को राज्यस्तरीय राजस्थान स्टेट जूनियर पुरुष एवं महिला जूडो चैंपियनशिप भरतपुर में आयोजित की गई जिसमें जी.एल.सैनी नर्सिंग संस्थान जयपुर राजस्थान की छात्रा अनमोल जीएनएम प्रथम वर्ष ने 78 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल करने के उपलक्ष्य में कॉलेज परिवार की ओर कॉलेज के प्रिंसिपल हितेश गौतम व अन्य नर्सिंग प्रोफेसरो ने गौरवान्वित महसूस कर नर्सिंग छात्रा अनमोल का स्वागत करके उत्साह बढ़ाया।

■ सत्ता विरोधी रुझान को भाजपा ने दिया जन आक्रोश नाम-पूनियां

डूंगरपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां ने राज्य की कांग्रेस सरकार को अब तक की सबसे नकारा, निकम्मी, अकर्मण्य, भ्रष्ट और अराजक सरकार करार देते हुए कहा है कि उसकी वादाखिलाफी, बिगड़ती कानून व्यवस्था, बेरोजगारी एवं लगातार जनता की अनदेखी के कारण बने सत्ता विरोधी रुझान को भाजपा ने जन आक्रोश नाम दिया है और जनता की उन्हीं चीजों को मुखर करने के लिए जन आक्रोश अभियान शुरू किया जा रहा हैं । डा पूनिया डूंगरपुर पार्टी जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के जन आक्रोश अभियान की विधिवत शुरूआत एक दिसंबर को जयपुर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जनआक्रोश रथों की रवानगी से करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे और एक से 14 दिसंबर तक दो करोड लोगों से जनसंपर्क किया जायेगा। उन्होंने बताया कि दो सो विधानसभा क्षेत्रों में 75 हजार किलोमीटर ये रथ चलेंगे और पार्टी के कार्यकर्ता जनता सेजनसंपर्क करेंगे।

भारत विकास परिषद अम्बबाड़ी शाखा की वार्षिक मीटिंग सम्पन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत विकास परिषद अम्बाबाड़ी की वार्षिक मीटिंग शाखा अध्यक्ष प्रदीप शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। मीटिंग में वर्षभर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। सारे सदस्यों की सहमति के बाद परिषद सदस्यों का एक मिलन समारोह 15 जनवरी को आयोजित करने का निर्णय किया गया तथा 10 जनवरी के पूर्व गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण करने का भी निर्णय किया गया। मीटिंग में परिषद के फाउण्डर सदस्य मंगलदेव कटारिया ने मीटिंग को संबोधित कर अपने अनुभव साझा किए। मीटिंग में राजेश गुप्ता, प्रतीक एवं अन्य पदाधिकारियों सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित रहे। इनके अलावा नगेन्द्र वशिष्ठ, गोपाल शर्मा, बीना शर्मा, भवानी सिंह एवं शिव दयाल मिश्रा भी उपस्थित थे।

डॉ. पाण्डेय का किया स्वागत

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। प्रजा विजय पक्ष के उम्मीदवार डॉक्टर कार्तिक पाण्डेय के चुनावी रैली के बाद मुख्य कार्यालय पर डॉक्टर कार्तिक पाण्डेय का स्वागत किया गया। इस मौके पर देवेन्द्र शर्मा(रींगस)राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवा रक्षा दल प्रजा विजय पक्ष के राष्ट्रीय मंत्री अश्विन भाई कंकड़ प्रीतेश कुमार पटेल गुजराती फिल्म अभिनेता अजय मिश्रा प्रजा विजय पक्ष वटवा क्षेत्र राघवेंद्र पांडेय प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश भगवा रक्षा दल युवा मोर्चा आदी लोग उपस्थित रहे।

प्रेस बैडमिंटन लीग-2022 का समापन

राकेश एवं स्वीटी ने जीते दोहरे खिताब, महिला युगल में महिमा एवं पुरुष युगल में संजीव विजेता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से आयोजित प्रेस बैडमिंटन लीग (पीबीएल)-2022 में रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में राकेश गुसाई और स्वीटी शर्मा ने दोहरे खिताब जीते। पुरुष एकल में राकेश गुसाई ने कड़ा मुकाबला करते हुए 21 पाइंट के तीन मैच में विष्णु शर्मा को 2-1 से हराया। वहीं स्वीटी शर्मा ने पहले राउण्ड में 13-15 पाइंट के बाद दूसरे राउण्ड में अच्छे शॉट खेलते हुए 15-8 एवं तीसरे राउण्ड में 15-13 पाइंट हासिल कर अर्चना शर्मा को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। पुरुष युगल के फाइनल में संजीव गुप्ता एवं राकेश गुसाई को वॉकओवर से जीत मिली। फाइनल मुकाबले के बाद लीग के समापन समारोह में क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव रघुवीर जांगिड़, संयोजक गिरिराज गुर्जर ने विजेता, उप विजेता एवं लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ट्राफी, मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा डिग्गीनाड़ी व अखेलाव तालाब

सिरोही/शिवगंज @ जागरूक जनता। राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में दो-दो स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। सिरोही में भी दो स्थलों को विकसित करने के लिए राशि स्वीकृत हुई है। मुख्यमंत्री के सलाहकार विधायक संयम लोढ़ा के प्रयासों से शिवगंज शहर की प्राचीन डिग्गीनाडी को पर्यटन स्थल में विकसित करने के लिए विभाग की ओर से दो करोड़ रूपए स्वीकृत करते हुए इसके लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इस कार्य के लिए राशि स्वीकृत होने के बाद अब शीघ्र ही यहां कार्य प्रारम्भ होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक वित्त हुलास राय पंवार ने जारी आदेश में बताया कि राज्य सरकार की ओर से बजट घोषणा के अनुरूप सिरोही जिले में दो स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। जिसमें सिरोही के अखेलाव तालाब पर विकास कार्य के लिए 1 करोड़ 36 लाख 31 हजार रूपए तथा शिवगंज के डिग्गीनाडी पर पर्यटन विकास के लिए 2 करोड़ 2 लाख 94 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। शहर में प्राचीन डिग्गीनाडी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए विधायक संयम लोढा निरंतर प्रयासरत थे। उनके प्रयासों से शिवगंज सहित सिरोही में दो प्रमुख स्थानों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सरकार की ओर से स्वीकृति प्रदान करने से नागरिकों में हर्ष है।

मिश्र ने किया शिला पट्टिका का अनावरण

मानसिक प्रदूषण समाप्त करने के लिए राजयोग मेडिटेशन जरूरी-राज्यपाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मानसिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए राजयोग मेडिटेशन आवश्यक है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए मानसिक प्रदूषण से मुक्ति जरूरी है। पीस पैलेस समाज में शांति, प्रेम, पवित्रता और सद्भावना की स्थापना में अहम भूमिका निभाएगा। यहाँ से जन-जन को जीवन और विचार बदलने की आध्यात्मिक शिक्षा दी जाएगी। उक्त उदगार राज्यपाल कलराज मिश्र ने ब्रह्माकुमारीज के मुरलीपुरा स्थित पीस पैलेस शांति मेडिटेशन सेंटर का उदघाटन करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दूसरों के कल्याण में ही शांति समाई हुई है। परमार्थ को लेकर जब हम विश्व कल्याण के लिए जुट जाते हैं तो शांति का भाव प्रकट होता है। यहाँ आकर मुझे भी अदभुत शांति की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि यहाँ आकर पहली बार थॉट्स लैब के बारे में पता चला। मन में एक साथ कई विचार आते हैं, कभी सौहार्द्र, प्रेम, निरंतरता को सकारात्मक स्वरूप का निर्माण करना, निगेटिविटी को पॉजिटिविटी में बदलना यह कार्य थॉट्स लैब में किया जाएगा। जो अपने आप में अनोखा ओर सराहनीय पहल है।

विश्व की नारी द्वारा संचालित सबसे बड़ी संस्था

राज्यपाल मिश्र ने कहा ब्रह्माकुमारीज विश्व की नारी द्वारा संचालित सबसे बड़ी संस्था है। हमारी संस्कृति में भी नारी को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे यहां नारी को देवताओं से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। कहा जाता है यत्र नार्यस्तु पूज्ययन्ते रमन्ते तत्र देवता। यह संस्था मनुष्य में देवत्व का भाव जगाने में जुटी है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा प्रति वर्ष अभियान चलाकर बड़ी संख्या में पौधारोपण किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संस्था कि यह अनुकरनीय पहल है। संस्था द्वारा व्यक्तित्व निर्माण का जो कार्य किया जा रहा है वह आज बहुत जरूरी है।

भारत फिर से देवभूमि बनेगा

ब्रह्माकुमारीज के कार्यकारी सचिव एवं शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्रह्माकुमार मृत्युंजय भाई ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि भारत को देवभूमि, स्वर्ग भूमि , भ्रष्टाचारमुक्त, अपराधमुक्त, प्रदूषण मुक्त भारत और निःशुल्क शिक्षा के स्वप्न को लेकर संस्थान 86 वर्षों से कार्य कर रहा है। लोगों के थॉट्स के लेवल को पॉजिटिव और पॉवरफुल बनाने के लिए शिक्षा प्रभाग द्वारा देशभर में थॉट्स लैब की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को पॉजिटिव बनाने के लिए सेवा चल रही है।

कृष्णदास कंचन महाराज के नाम एक श्रद्धालु की चिट्ठी

कहां गए कंचनधाम के वे ट्रस्टी, जो सदैव आपके आगे-पीछे घूमते थे.....

परम श्रद्धेय,
गोलोकवासी श्री श्री 1008 श्री कृष्णदास कंचन महाराज

आपके सपनों का साकार आश्रम द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचन धाम आज बदहाल हालत में है। कंचनधाम में चारों तरफ अव्यवस्थाओं ने अपना साम्राज्य फैला रखा है। रसोई के पास दीवार के नीचे गड्ढा हुए काफी समय बीत गया, वो ठीक नहीं हुआ। जिसके कारण दीवार कभी भी गिर सकती है। पेड़ पौधे पानी के अभाव में सूखे जा रहे हैं। मंदिरों की लाइटिंग व्यवस्था चरमराई हुई है। पहले जहां दर्जनभर से ज्यादा पंडित हुआ करते थे इस समय 2-4 पंडित सेवा में हैं वे भी हमेशा वेतन नहीं मिलने के कारण परेशान हैं। पुराने कर्मचारियों को निकाला ज चुका है। नए कर्मचारी कुछ दिन काम करते हैं बेचारे वेतन के अभाव में काम छोड़कर चले जाते हैं। पैसे मांगते रहते हैं, मगर कोई सुनने वाल नहीं है। कंचनधाम के विश्वस्त सूत्रों से श्रद्धालु को पता चला है कि गऊ शाला में कई गायें दम तोड़ चुकी हैं और कई बीमार हैं। पता तो यहां तक चला है कि गायों के कीड़े पड़ गए हैं जिनके इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। कंचनधाम की दीवारों से भी रंग उड़ने लगा है। कई जगह से जर्जर दिखाई देने लगा है। उनकी सही से देखभाल नहीं हो रही हैं। आखिर कहां गए वे दम भरने वाले ट्रस्टी, जो सदैव आपके आगे-पीछे साये की तरह चलते थे। आपके गोलोक प्रयाण करने के बाद बड़े जोश के साथ ट्रस्ट के पुराने पदाधिकारियों से इस्तीफे लेकर नये ट्रस्टी बनाए थे। अब वे ट्रस्टी इन तमाम अव्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष भी निजि कारणों से काफी समय से कंचनधाम नहीं जा पा रहे हैं। अन्य पदाधिकारियों में से कुछेक कभी-कभार कंचन धाम पहुंचते हैं उन्हें देखकर कर्मचारियों को और आश्रम को भी ये लगता है कि शायद ये कुछ अच्छा करके जाएंगे। मगर, वे भी कई तरह की जानकारियां लेकर वापस लौट जाते हैं। हे प्रभु, आप स्थूल शरीर से तो इस असार संसार में नहीं हैं, मगर आपके सूक्ष्म शरीर (जो कि भक्तों के अनुसार कंचन धाम में विचरण करता रहता है) तक ये चिट्ठी (संदेश) पहुंचे तो सोये हुए ऐसे अकर्मण्य ट्रस्टियों को कुछ करने के लिए प्रेरित करें। इसी आशा में-

-कंचनधाम का एक शुभचिंतक श्रद्धालु

राधारानी वार्षिक ब्रज यात्रा-एक सुखद अनुभव

अद्भुत, अविस्मरणीय और अनौखी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बरसाना मे सुप्रसिद्ध मान मन्दिर से पूज्य श्री रमेश बाबाजी महाराज के सान्निध्य में हर वर्ष ब्रज 84 कोस की पैदल परिक्रमा आयोजित की जाती है जिसमें हजारों की संख्या में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे भाग लेते हैं। इस यात्रा में इस वर्ष मुझे भी जाने का अवसर राधारानी ने दिया। इस यात्रा की व्यवस्थाओं को देखकर मैं अभिभूत हूं कि किस तरह से इतने लोगों की खाने-पीने, रहने और चलने की व्यवस्था होती है। लोगों को ठहरने के लिए छोटे-बड़े सभी तरह की रावटी (तंबू) प्रतिदिन लगाए और और उखाड़े जाते हैं। जैसे रोजना एक गांव बसाया जाता है अगले ही दिन वह गांव उठकर अन्यत्र बस जाता है। यह क्रम 36 दिनों तक लगातार चलता है। ऐच्छिक सुविधाओं को छोड़कर इस यात्रा में किसी से कोई शुल्क नहीं लिया जाता। निष्काम भाव से समर्पित कार्यकर्ता जो सारा काम समय पर चुटकियों में करते हैं। किसी भी यात्री की तबीयत खराब हो जाए तो उसके लिए एक अस्पताल हमेशा साथ चलता है जिसमें कई डॉक्टर अपनी सेवाएं देते हैं। दवा उपलब्ध कराते हैं। अगर किसी को ग्लूकोज चढ़ाने की जरूरत हो तो वह भी उपलब्ध रहती है। यात्रियों के थक जाने पर स्वयं सेवक उनके हाथ-पैरों की मालिश तक करते हैं। ऐसी अद्भुत यात्रा का वर्णन शब्दों में नहीं हो सकता। प्रतिदिन इतने लोगों का भोजन, जिसमें दाल, चावल, कढ़ी, रोटियां, कई बार हलवा, मालपुए, पूरी, गुड़ और कई बार तो रात्रि को दूध तक पिलाया गया। इस यात्रा के माध्यम से सम्पूर्ण ब्रज में घूमने और वहां के निवासियों को नजदीक से देखने का मौका मिला। यात्रा के दौरान ऐसा लगा कि कान्हा यहीं-कहीं हमारे इर्द-गिर्द ही घूम रहा है। हम लोगों के लिए भले ही श्रीकृष्ण भगवान हों, मगर ब्रज में आज भी श्रीकृष्ण को नन्द का छोरा कहकर ही पुकारते हैं। अगर जय बुलाते हैं तो ग्रामीण कहते हैं अरे भई नन्द के छोरा की जय बोलो। ब्रज यात्रा के दौरान कई जगह तो पूरा का पूरा गांव ही यात्रियों के लिए न्यौछावर हो गया। कोई बाजरे की रोटी-कढ़ी, तो कोई छाछ, कोई दही, कोई चाय, कोई केला, फल, बिस्किट बांटते ही रहे। जगह-जगह साधु-संतों का और यात्रा के आयोजकों का भावभीना स्वागत सत्कार किया जाता। यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें 24 घंटे भगवान का ही स्मरण होता है। यात्रा का नियम है कि चलते समय या तो भगवान नाम का जप करो या चुप रहकर चलो। इसमें राधेरानी की मधुर ध्वनि अविरल चलती रही। अगर कोई मुंह से नहीं बोले तो भी उसके कानों में राम-कृष्ण का संकीर्तन हमेशा सुनाई देता रहा। ये सारी व्यवस्थाएं साक्षात् लाडली राधारानी ही कर सकती है और किसी में सामर्थ्य नहीं। सारे देश के तीर्थस्थल ब्रज में आ गए। और आए भी कैसे? भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई देखिए। एक बार नन्दबाबा और यशोदा मैया, वसुदेव और देवकी ने वृद्धावस्था में श्रीकृष्ण से कहा कि अभी तक हमने तीर्थ नहीं किए। हमें तीर्थ करा दो। श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं सारे तीर्थों को यहीं बुला देता हूं। आप ब्रज में ही सारे तीर्थ कर लेना। उधर श्रीकृष्ण ने सारे तीर्थों से कहा कि अगर मेरे मां-बाप के दर्शन करने हैं तो सब ब्रज में पहुंच जाओ। तीर्थों ने सोचा कि जगतसृष्टा साक्षात नारायण श्रीकृष्ण के माता-पिता का दर्शन तो करना ही चाहिए और उन्होंने तुरन्त आकर अपने-अपने स्थान ब्रज में बना लिए जो आज भी मौजूद हैं। श्रीकृष्ण अगर तीर्थों से कहते कि मेरे मां-बाप आपके दर्शन करेंगे तुम ब्रज में जाओ। तो शायद सारे तीर्थ इस तरह नहीं आते। मगर श्रीकृष्ण तो चतुर हैं बुला लिया सब तीर्थों को अपने माता-पिता के लिए। जयश्रीकृष्णा।

-शिव दयाल मिश्रा

शिकायतों का निवारण बापू के पास

ब्रज 84 कोस परिक्रमा कोई छोटी-मोटी यात्रा तो है नहीं। हजारों की संख्या में यात्री। उनके खाने, पीने, रहने, सोने, बिजली, मोबाइल चार्जिंग, बीमारियां और भी रजिस्ट्रेशन से लेकर यात्रा समाप्ति तक वाहन उपलब्धि तक की कोई भी परेशानी का तत्काल समाधान निकालने के लिए हेमू बा चावड़ा यानी बापू का नाम सबकी जुबान पर रहता था। सीधे-साधे सरल स्वभव और अपने कार्य में तत्पर रहने वाले हेमू बा चावड़ा को सब बापू के नाम से ही पुकारते थे। दुबले-पतले शसीर के धनी बापू यात्रियों सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने आते समय बताया कि राधेरानी की कृपा से अब अगली यात्रा की तैयारियों में लग जाएंगे।

एक फायर से हुई जिन्दगी आध्यात्मिक

सनातन धर्म में निष्ठा रखें, सनातन धर्मी कभी भटकता नहीं है-सुनील सिंह

ब्रज 84 कोस की यात्रा में कितने ही स्तम्भ हैं जिन्होंने अपना जीवन राधारानी की सेवा में अर्पित कर रखा है। मगर, हम पाठकों को एक ऐसी शख्सियत के बारे में बता रहे हैं जिन्होंने अपनी छोटी सी आयु में ही अपने आपको राधारानी की सेवा में समर्पित कर दिया उनका नाम है **सुनील सिंह।** ब्रजयात्रा की सारी व्यवस्थाएं सुनीलसिंह के इर्द-गिर्द ही घूमती हैं, जहां देखो और सुनो सुनील भैया बताएंगे। ब्रज यात्रा के दौरान सुनीलसिंह से बातचीत करने का अवसर मिला। इस बातचीत में इन्होंने अनेक रोचक घटनाएं बताई। सुनील सिंह का जन्म बरसाना में मानमन्दिर के पास गहबरवन में सितम्बर 1979 में हुआ। छोटीसी उम्र में ही ये राधारानी की सेवा में लग गए। इनके भाई राजस्थान के कामां में संस्था के अध्यक्ष थे और मन्दिर में व्यवस्थापक थे। छोटी उम्र में ही व्यवस्थागत कामों के लिए भैया के साथ बाइक पर बैठकर मथुरा आना-जाना लगा रहता था। इनके साथ आदरणीय रमेश बाबा के कुण्डवन सरोवर व नाम प्रचार के कार्यों से प्रभावित होकर सेवाभाव में लग गए। इन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर 2004 को कामां से राधारानी की यात्रा बरसाना लौट रही थी उस समय रमेश बाबा द्वारा ब्रजभूमि को खनन से मुक्ति दिलाने के लिए आंदोलन चल रहा था। उस समय राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री थी। यह तय हो गया कि तीन दिन तक जब तक बाबा की यात्रा चलेगी तब तक खनन नहीं होगा। लेकिन यात्रा जब सुनहरा गांव के समीप पहुंची उसी समय राधारानी ब्रज यात्रा को कवर कर रहे पत्रकार के साथ हाथापाई और छीनाझपटी शुरू हो गई। कैमरे को तोड़ने लग गए। सुनील सिंह ने बताया कि उस समय मेरी लाइसेंसशुदा रायफल मेरे पास थी और मुझे फायर करना पड़ गया। इसके बाद मेरे ऊपर आईपीसी आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज हो गया। मुकदमा इसलिए हो गया कि मेरे पास लाइसेंस यूपी का था और घटना राजस्थान में घटित हुई। घटना के बाद लोगों के क्रोध का कोपभाजन भी मुझे बनना पड़ा, क्योंकि मेरी उम्र भी कम थी और घटना बड़ी हो गई। कामां से पुलिस मुझे अरेस्ट करने पहुंच गई। उस समय रमेश बाबा ने कहा कि बच्चे ने कोई गलत नहीं किया। गलत काम का विरोध किया है। इसके लिए मुझे अगर 100 बार भी जेल जाना पड़े तो मैं जाउंगा। इस घटना का मेरे जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा और मैं मान मन्दिर के लिए समर्पित हो गया। उस समय रमेश बाबा ने सुनील सिंह को नया नाम ब्रजदास दिया। विवाह का विचार भी मन से त्याग दिया और बाबा के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए काम करने लगा। राधारानी ब्रज यात्रा, यमुनाजी के 2011 में प्रयाग-संगम से दिल्ली तक 47 दिन, 2013 में वृन्दावन से दिल्ली 17 दिन और 2015 में कोसी से दिल्ली 12 दिन की यात्रा के तीनों आंदोलनों में भाग लिया। इससे पूर्व 8 फरवरी 2009 में पहाड़वाला आंदोलन में अनशन किया। इस आंदोलन में डीग-कामां को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने की मांग की गई। आंदोलन धरने में परिवर्तित हो गया आखिर 10 नवम्बर 2009 को फैक्स के जरिए नोटिफिकेशन आया और धरन समाप्त किया गया। अभी हाल कुछ महिने पहले खनन के खिलाफ आंदोलनरत बाबा विजयदास ने अपने आपको आग के हवाले कर देह त्याग की उस समय भी सुनील सिंह मौजूद थे। आजीवन अविवाहित रहने के संकल्प के बारे में जब सुनील सिंह से पूछा तो उन्होंने कहा कि मेरे इस संकल्प को राधारानी पूरा करेगी और मुझे शक्ति प्रदान करेगी। अब गायों का संरक्षण और गऊ माता पर ध्यान देना जरूरी होगा। अगर गायों पर ध्यान नहीं दिया तो आगे चलकर गऊ माता लुप्त हो जाएगी। चुनावों के दौरान सुनील सिंह से सारी पार्टियां समर्थन के लिए सम्पर्क करती हैं। सुनील सिंह कई समितियों से जुड़े हुए हैं जैसे यमुना मुक्तिकरण अभियान, जिसमें गांव-गांव जाकर समिति बनाई जाती है। गौ सेवक समिति, प्रभात फेरी सेवा समिति। ब्रज तीर्थ विकास परिषद जिसके अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं और 7 समाजसेवी सदस्य हैं उनमें से एक सुनीलसिंह भी शामिल हैं। अंत में उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि वे सनातन धर्म में निष्ठा रखें। सनातन धर्मी कभी भटकता नहीं है।

संतों का संग और संगीत सीखने की ललक बरसाना ले आया-बाबा नरसिंहदास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ब्रज 84 कोस परिक्रमा के दौरान नरसिंहदासजी की एक आवाज आती और लाडली जी का डोला लिए यात्रा अग्रिम पड़ाव की ओर चल पड़ती। जिनके कंठ में सरस्वती विराजती हों, सुबह हो या शाम, दोपहर हो या रात। चारों पहर जिनकी आवाज मधुर रस घोलते हुए लाडली जी के गुणगान ही गाती रहती हैं ऐसी कोकिल कंठ के धनी का नाम है बाबा नरसिंहदास। ब्रज 84 कोस की पैदल परिक्रमा के दौरान प्रातः साढ़े पांच बजे और कभी कभी 6 बजे यात्रा अग्रिम पड़ाव के लिए रवाना होती। नरसिंहदासजी यात्रा की अगुवाई करते चलते। जहां-जहां से यात्रा गुजरती उस तीर्थ का महत्व और वर्णन बाबा नरसिंहदास सबको बताते। यात्रियों को यात्रा के समय निर्देश देते और सबको साथ लेकर चलते। एक तरफ पैदल यात्रा और दूसरी तरफ तीर्थस्थलों का वर्णन। लोगों का चलने में सांस फूलने लगता था, ऐसे में लगातार बोलते हुए चलना कोई साधारण काम नहीं है। मगर राधे रानी की कृपा से संभव है। यात्रा के दौरान ग्रामीणों द्वारा रमेश बाबा के प्रतिनिधि के तौर पर इन्हें सम्मानित भी किया गया। यात्रा के समय शाम को नरसिंहदासजी अपनी सुरीली आवाज में राधेरानी के भजन सुनाकर सबका मन मोह लेते। यात्रा के दौरान ही नरसिंहदासजी से सम्पर्क हुआ। सम्पर्क भी कैसे हुआ। यात्रा के दौरान एक दिन मैं और मेरी पत्नी शाम के समय यात्रियों के लगे तंबुओं में होकर गुजर रहे थे। एक तंबू के आगे खड़े होकर मेरी पत्नी बोली इस तंबू में चलें कोई संत विराज रहे हैं। हम चले गए प्रणाम कर बैठ गए। फिर होने लगी राधे रानी की चर्चा। और नरसिंहदासजी का सरल स्वभाव सहज हृदय ने हमारे दिल में एक जगह बना ली। ऐसे में नरसिंहदासजी से मिलने का सिलसिला चलता रहा। बातों-बातों में नरसिंहदासजी से कुछ हमने पूछा कुछ उन्होंने बताया। नरसिंहदास जी मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले के खंडार के रहने वाले हैं। नरसिंहदास नाम मिलने से पहले इन्हें घर में ब्रजराजसिंह के नाम से जाना जाता रहा है। ये आज से कोई 37 वर्ष पूर्व बरसाना के मान मन्दिर में आ गए। इनसे मान मन्दिर आने के बारे में पूछा तो इन्होंने मुस्कराते हुए सहज भाव में बताया कि खंडार से भक्तों का समूह बरसाना यात्रा करने आता था। एक बार मैं भी उनके साथ परिक्रमा करने यहां आ गया। इस दौरान राधा अष्टमी को हम मानमन्दिर पहुंचे। उस समय बाबा रमेश दास भजन गा रहे थे। उनका संगीत सुनकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। हमने स्वामी नित्यानंदजी जिनके साथ मैं मानमन्दिर आय था, से संगीत सीखने की बात कही, और ये भी कहा कि हम संगीत सीखकर यहीं रहेंगे वापस नहीं जाएंगे। हमारी मंशा बाबा रमेश दासजी तक पहुंचा दी गई। बाबा महाराज ने हमसे पूछा कि भोजन कहां करोगे यहां तो सभी भिक्षा मांगते हैं। हमने कहा कि सब मांगते हैं तो हम भी

मांग लेंगे। पानी भी नीचे से लाना पड़ेगा (मान मन्दिर पहाड़ी के ऊपर है) हमने इसके लिए भी हां कह दी। हमारे हां कहने पर बाबा रमेश महाराज ने कहा कि तब तो तुम्हारा ब्रजवास हो जाएगा। हमने उस समय से ही बाबा महाराज के साथ रहकर संगीत की शिक्षा ग्रहण की। इसी दौरान बंसी बजाना भी सीखा। नरसिंह बाबा ने बताया कि यह ब्रज चौरासी कोस की पैदल परिक्रमा 1988 में प्रारंभ हुई। यह यात्रा खंडार वाले बाबा नित्यानंदजी ने शुरु करवाई थी। नित्यानंदजी ने रमेश बाबा से आग्रह किया कि हमें 84 कोस की परिक्रमा करवाई जाए। बाबा ने कहा कि यात्रा तो हो जाएगी मगर बिना पैसों के होनी चाहिए। इस पर नित्यानंदजी ने कहा कि बिना पैसों के यात्रा नहीं हो सकती। कुछ सोचकर रमेश बाबा ने कहा कि यात्रा का नाम 'राधा रानी ब्रज यात्रा' रखा जाए और किसी भी पम्पलेट में हमारा नाम मत दो। तब से आज तक यह यात्रा निर्विघ्न चल रही है। नरसिंहदास जी से जब यात्रा के लिए पैसों के बारे में पूछा कि कहां से आता है तो उन्होंने बताया कि यह तो राधा रानी ही जाने, वही पूरा करती है। यात्रा के दौरान 15-20 हजार यात्री आते हैं। यहां लोग स्वेच्छा से दान भी करते हैं, मगर किसी से मांगा नहीं जाता। शुल्क के नाम पर यत्रियों से हरिनाम का अखंड कीर्तन में समय मांगा जाता है और कोई ज्यादा

देना चाहे तो अपने-अपने गांवों में प्रभातफेरी निकालो। उस प्रभातफेरी के लिए एक माइक और ढोलक फ्री में मानमन्दिर से दी जाती थी। अब कई राज्यों में प्रभातफेरी चलती है। इनमें से ज्यादातर प्रभातफेरी आने वाले यात्रियों ने शुरू की है। श्रीमाताजी गऊशाला 2007 में चार गायों से शुरू की थी। जिसमें आज 60 हजार से ज्यादा गायें हैं। इसके लिए भी कोई प्रचार-प्रसार नहीं किया जाता। बाबा का सबसे बड़ा सिद्धांत है कि कभी भी धर्म को व्यापार मत बनाओ। निष्काम भाव से काम करो अपने आप सफलता मिल जाएगी। नरसिंहदासजी ने बताया कि श्रीश्री 1008श्री मुरारीलालजी मेरे प्रथम गुरु हैं वे मुझे खंडार में एक महात्मा के पास लेकर आए थे। वे नरसिंह भगवान की पूजा करते थे। भागीरथदासजी महाराज ने मेरा नाम नरसिंहदास रख दिया। उसी आश्रम पर हमें एक संत श्रीश्री 1008श्री गोविन्ददासजी मिले। उन्होंने हमें निम्बार्क सम्प्रदाय में दीक्षित किया। उनके सान्निध्य में छह महीने अजयराजपुरा (बगरू के पास) जयपुर रहा। उस स्थन पर मेरी दीक्षा हुई। गोविन्ददास जी से आज्ञा लेकर मैं बरसाना आ गया और तब से मैं बरसाना का ही होकर रह गया हूं।

- शिव दयाल मिश्रा

जागरूक खबरें

■ संविधान दिवस मनाया

केकड़ी @ जागरूक जनता। भाजपा विधि प्रकोष्ठ केकड़ी के बैनर तले संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट गजेंद्र पाराशर जिला कार्यकारिणी सदस्य विधि प्रकोष्ठ थे। शहर अध्यक्ष एडवोकेट घनश्याम वैष्णव ने बताया कि आज ही के दिन संविधान संपूर्ण देश में लागू हुआ था भारत का संविधान सभी देशों के संविधान से श्रेष्ठ है मुरलीधर शर्मा एडवोकेट ने संविधान के अंतर्गत व्यक्ति के अधिकारों व कर्तव्य का वर्णन किया कार्यक्रम में कई अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा संविधान की श्रेष्ठता का बखान किया कार्यक्रम में एडवोकेट ब्रजकिशोर एडवोकेट जगदीश साहू कमल शर्मा मुकेश विजय राजेश शर्मा सत्यनारायण माली सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट जगदीश साहू ने किया।

■ संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजित

आहोर @ जागरूक जनता। कस्बे की डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय छात्रावास में अंबेडकर मूर्ति अनावरण समिति आहोर की ओर से संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन कर संविधान की शपथ ली। सबसे पहले समिति के सदस्यों ने छात्रावास में स्थित बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया। इस मौके समिति अध्यक्ष खीमाराम परिहार ने कहा कि भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कृत संकल्पित रहना चाहिए। सहप्रभारी पोपटलाल हंस ने संविधान की शपथ दिलाई। महासचिव व प्रभारी भीखाराम डांगी ने संविधान की जानकारी दी और कहा कि बाबा साहेब ने 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान तैयार कर देश की संविधान सभा को सुपुर्द किया था। संगोष्ठी को उपाध्यक्ष बस्तीमल चौहान, सोनाराम मेघवाल गोदन, कोषाध्यक्ष हिम्मताराम मेघवाल आहोर, कूपाराम मेघवाल नोरवा, विजयपाल डाबी गोदन, उदयराज आहोर कालूराम किशनगढ़, जोधाराम ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान कई सदस्य मौजूद रहे।

■ सावर में कुल 115 यूनिट रक्तदान

सावर @ जागरूक जनता। भामाशाह सेठ बजरंग लाल तापड़िया के जन्म दिवस के उपलक्ष में राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय सावर में 115 यूनिट रक्तदान हुआ सुप्रीम फाउंडेशन के समन्वयक केदार पांडे ने बताया कि बजरंगलाल तापड़िया के द्वारा संस्कृत शिक्षा विभाग में लगभग 1300 शिक्षक स्वयं के खर्चे पर लगाए गए हैं। ऐसे भामाशाह के 89 वे जन्मदिवस पर रक्तदान के माध्यम से उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की गई। शिविर के उद्घाटन में पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह शक्तावत, राजेश जांगिड़, पुष्पेंद्र सिंह, आदित्य शर्मा, इकबाल, उमाशंकर, राकेश वैष्णव, राजीव तिवारी, भोलाराम वैष्णव, जितेंद्र सैनी, निर्मल खारोल, साक्षी धाभाई, रानू दरोगा, बनवारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे सभी अतिथियों ने भामाशाह बजरंगलाल तापड़िया के जन्मदिवस पर अधिकाधिक रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया।

■ पाराशर बने विधानसभा उपाध्यक्ष

केकड़ी @ जागरूक जनता। केकड़ी विधानसभा सेवादल अध्यक्ष मूलचंद महावर की अनुशंसा पर अजमेर जिला देहात कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जय शंकर चौधरी ने केकड़ी विधानसभा सेवादल उपाध्यक्ष पद पर एडवोकेट विजेंद्र कुमार पाराशर पत्रकार को नियुक्त किया तथा पाराशर को सेवादल की रीति नीति से अवगत करवाया। पाराशर की नियुक्ति पर रामप्रसाद माली विवेक करवा सहित कई कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया तथा जिला अध्यक्ष चौधरी का आभार व्यक्त किया।

■ गुरु तेग बहादुर का मनाया बलिदान दिवस

केकड़ी @ जागरूक जनता। पटेल आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय में गुरु तेग बहादुर का बलिदान दिवस मनाया गया। प्रधानाध्यापक रामेश्वर चौहान ने बताया, कि कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु तेग बहादुर के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन करके किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य अरविंद कुमार तेली ने अपने उद्बोधन में त्यागमल से तेग बहादुर बनने की घटना तथा औरंगजेब द्वारा हिंदूओं का धर्म परिवर्तन करवाने का विरोध करने, तथा हिंदू धर्म की रक्षा करने की घटना के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में द्रौण

व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप : दूसरे दिन छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, गुजरात, यूपी व दिल्ली जीते

नारायण सेवा के मंच पर देशभर की 16 टीम के दिव्यांग दिखा रहे जलवा

सर्वाधिक 310 रन का रिकॉर्ड यूपी के नाम बना, कल के मैच में एमपी के नाम बना 274 रन का रिकॉर्ड टूटा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान, डीसीसीआई, डब्ल्यू सी आई और राजस्थान रॉयल्स के तत्वावधान में चल रही नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप की लीग शृंखला में भाग ले रहे दिव्यांग युवा क्रिकेटर्स का जो लक्ष्य की पूर्ति के लिए भरपूर जज्बे, जिद और जुनून से लबरेज है। उनके लिए असंभव कुछ भी नहीं। हर कोई उनके हौसले देख दंग रह जाता है। जो सामान्य सकलांग नहीं कर पाते है वो सब कुछ करे जा रहे है, अद्भुत, अकल्पनीय, अविस्मरणीय।

नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि प्रथम-सत्र में संस्थान के नारायण दिव्यांग स्पोर्ट्स एकेडमी में मेजबान राजस्थान बनाम उत्तराखंड के बीच मैंच हुआ । टॉस हारकर राजस्थान ने पहले बेटिंग करते हुए 15.2 ओवर में 102 रन बना ऑल आउट हो गई। जवाब में उत्तराखंड के अफताब अंसारी के अर्द्ध शतक के बदौलत 12 ओवर में 6 विकेट से जीत अपने नाम की। उत्तराखंड के अजय शर्मा 4 ओवर में 4 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने। इधर रेलवे ग्राउंड पर तमिलनाडु वर्सेज उडीसा के मध्य खेले गए मैच में तमिलनाडु ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 235 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उडीसा की टीम मात्र 36 रन पर ऑल आउट हो गई। परिणामस्वरूप तमिलनाडु 199 से विजयी हुई। इस मैच के मैंन ऑफ द मैच जेयन रहे।जिन्होंने 54 गेंद पर शानदार 115 रन का योगदान दिया।

उदयपुर की ब्रांड एम्बेसडर दिव्यानी कटारा ने उन्हें सम्मानित किया। वहीं आरसीए ग्राउंड में सुबह की वेला में छत्तीसगढ़ बनाम पंजाब के मैच में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। छत्तीसगढ़ की टीम ने 7 विकेट पर 192 रन जड़े । लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब 158 रन ही बना सकी। यह मैच छत्तीसगढ़ 34 रन से जीता । करियर का पहला शतक 107 रन बनाने वाले पोषण को मैन ऑफ द मैच का खिताब वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक श्रीवास्तव ने ट्रॉफी भेंटकर दिया। दूसरी पारी में आरसीए ग्राउंड पर गुजरात वर्सेज आंध्रप्रदेश का मुकाबला हुआ। जिसमें आंध्रप्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बेटिंग करते हुए 9 विकेट पर 80 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम ने मात्र 8 ओवर में 1 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर 9 विकेट से जीत दर्ज की । गुजरात के कैप्टन भीमा खुन्ती 17 बोल पर 44 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच रहे। रेलवे ग्राउंड का द्वितीय मैच यूपी बनाम हिमाचल के बीच हुआ। टॉस हिमाचल ने जीतकर पहले फिल्डिंग चुनी। यूपी की टीम ने पहले बेटिंग करते हुए निर्धारित ओवर में धुआंधार 1 विकेट पर 310 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हिमाचल ने निर्धारित ओवर में 7 विकेट पर मात्र 93 रन ही बना सका। यूपी यह मुकाबला 217 रन से जीता। मैन ऑफ द मैच शैलेष यादव रहे। नारायण पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी के दूसरे मैच में दिल्ली वर्सेज मुम्बई में टॉस मुम्बई ने जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। दिल्ली टीम ने पहले खेलते हुए 9 विकेट पर 179 रन बनाए।

सांप्रदायिक सद्भाव अभियान के तहत की गई राशि एकत्रित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। राजकीय महाविद्यालय केकड़ी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सांप्रदायिक सद्भाव अभियान के तहत सांप्रदायिक हिंसा के कारण निराश्रित हुए बच्चों की सहायतार्थ मदद राशि रुपए ढाई हजार 2500/- एकत्रित की गई। जिसे वरिष्ठ लेखाधिकारी कैलाश चंद्र राटा जी द्वारा भारत सरकार के खाते में प्रेषित कर दिया गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय द्वारा 300 बदल राशि एकत्रित की गई। इस हेतु चेरियन मैथ्यू को भी सम्मानित किया गया। इस हेतु प्राचार्य पीयूष गुप्ता एवं मुख्य अतिथि जगन्नाथ लाल जाट, वरिष्ठ लेखा अधिकारी कैलाश चंद्र राटा एवं लाला राम लोधा द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। जिनमें छात्रसंघ अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, उत्कर्ष जैन (एनएसएस स्वयंसेवक) शोभाग गुर्जर, महेन्द्र खटीक, गोविन्द मीणा, विकास जाट, हार्दिक शर्मा, खुशी कुमारी खटीक, सपना साहू, फौरनता जाट, ममता खटीक, धीरज जैन, हर्षित तोषनीवाल, अनीता इत्यादि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ अनीता रायसिंघानी द्वारा किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता में दूसरी बार चयनित नमन का स्वागत

महवा @ जागरूक जनता। स्थानीय विद्यालय महात्मा गांधी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल महवा के छात्र नमन लखवाड़ का दूसरी बार राज्य स्तरीय 14 वर्षीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन होने पर विद्यालय के निदेशक प्रहलाद कुमार शर्मा व स्कूल प्रबंधक मोनू शर्मा एवं प्राचार्या स्वेता कुमारी एवं समस्त स्टाफ ने छात्र नमन लखवाड़ को माला पहनाकर स्वागत किया एवं बधाई दी। इस अवसर पर छात्र के अभिभावक एवं विद्यालय के सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।

माह के अंतिम रविवार पर झंडा फहराया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। विधानसभा सेवादल की नवीन कार्यकारिणी द्वारा माह के अंतिम रविवार झंडा फहराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवादल विस अध्यक्ष मूलचंद महावर ने की। महावर ने बताया कि सेवादल के अंतर्गत माह के अंतिम रविवार पर झंडा फहराया जाता है तथा उसके उपरांत सेवादल की बैठक आयोजित की गई उक्त बैठक को जिला अध्यक्ष चौधरी ने भी वीडियो कॉल के माध्यम से निर्देशित किया तथा सावर पंचायत समिति के वार्ड 4 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रुकमा देवी की जीत की बधाई दी गई तथा विधानसभा में संपन्न हुए सावर पंचायत समिति के उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी की जीत से यह सिद्ध हो गया है कि जनता कांग्रेस के साथ है, और जनता ने विकास पुरुष पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गुजरात प्रभारी डॉ रघु शर्मा के केकड़ी विधानसभा में कराए गए विकास पर मुहर लगाई तथा साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री रघु शर्मा की अनुपस्थिति में उनके पुत्र व पीसीसी सदस्य सागर शर्मा के निर्देशन में उक्त विजय प्राप्त हुई है। नव निर्वाचित पंचायत समिति सदस्य, पीसीसी सदस्य एवं केकड़ी विधानसभा के चहेते युवा नेता सागर शर्मा जी एवं तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इस जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान विस उपाध्यक्ष विजेन्द्र पाराशर एडवोकेट, विवेक करवा, रामप्रसाद माली, चेतन रैगर, असलम, महावीर प्रसाद, इंसाफअली सोरगर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

'भारत विशेष साहित्यिक' ऑनलाइन महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा भारत देश की महानता तथा विशेषता को दर्शाने के उद्देश्य से ऑनलाइन भारत विशेष साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका 'विषय - भारत देश है विशेष' रखा गया। इस महोत्सव में देवप्रिया 'अमर' तिवारी (दुबई, यू.ए.ई.) सहित देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषय पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए और महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत साहित्य स्वर्ण' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने भारत देश की महानता तथा विशेषता के बारे में बताते हुए सभी भारतवासियों को भारत की उन्नति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया तथा महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया और सम्मान पाने वाली सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को उज्ज्वल शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने हिंदी रचनाकारों को आने वाले ऑनलाइन साहित्यिक महोत्सवों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम देवप्रिया 'अमर' तिवारी, अमृता पुरोहित, जयंती खमारी 'रुही' रचनाकारों के रहे।

बैंकिंग कार्यप्रणाली एवं रोजगार संभावनाओं पर कार्यशाला आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। राजकीय महाविधालय महिला प्रकोष्ठ सिरोही द्वारा महाविद्यालय परिसर में बैंकिग कार्यप्रणाली एवं बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं पर छात्राओं की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्राओं को जानकारी देने के लिए आदर्श को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के मुख्य प्रबन्धक रवि अरोडा, अरविन्द शर्मा एवं मनोज शर्मा को आमंत्रित किया गया। आदर्श बैंक के मुख्य प्रबन्धक रवि अरोडा द्वारा बैंकिंग कार्यप्रणाली एवं बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। अरोड़ा द्वारा छात्राओं को बैंकिंग कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए भारत में बैंकिंग क्षेत्र के प्रारम्भ से लेकर आधुनिक युग में चल रही बैंकिंग कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई। साथ ही विभिन्न प्रकार की बैंको, गठन एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। इसके पश्चात् अरोडा द्वारा बैकिंग क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई। अरविन्द शर्मा द्वारा कार्यशाला में बैकिंग क्षेत्र में शिक्षा एवं शिक्षा पश्चात् कार्य हेतु उपलब्ध विभिन्न प्रकार के ऋण योजनाओं एवं ऋण उपलब्धता पर प्रकाश डाला गया। मनोज शर्मा द्वारा कार्यशाला में साईबर सिक्योरिटी एवं ऑनलाईन धोखाधडी से बचने की जानकारी दी।

अतिक्ष इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में बनाई जगह

2 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने पर कलक्टर आशीष मोदी ने दिया प्रशंसा पत्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीलवाडा। शास्त्री नगर निवासी अतिक्ष कांकरिया ने रूबिक्स क्यूब की श्रेणी में पिछले रिकॉर्ड को सिर्फ 10 साल और 7 महीने की उम्र में तोड़कर 2 नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाये। उन्होंने पिछले दो रिकॉर्डस को तोड़कर इस मुकाम को हासिल किया। पहले रिकॉर्ड में रिकॉर्ड धारक ने 24 मिनट में 32 रूबिक क्यूब को हल किया था, अतिक्ष ने चमत्कारिक ढंग से 25 अक्टूबर को केवल 5 मिनट 12 सेकंड 90 मिलीसेकंड में 35 रूबिक क्यूब को हल करके इस कीर्तिमान को अपने नाम किया। इस रिकॉर्ड में 2 बाई 2 का 1, 3 बाई 3 के 30 व 4 बाई 4 के 4 क्यूब्स थे। दुसरे रिकॉर्ड में अतिक्ष ने मात्र 47 सेकंड्स व 80 मिलीसेकंड में 3 बाई 3 के 10 रूबिक्स क्यूब्स को हल कर दिया। अतिक्ष ने बताया की रूबिक्स क्यूब्स को हल करना उन्होंने कई सारी यूट्यूब की विडियो देखकर सीखा है। भीलवाडा जिला कलक्टर आशीष मोदी ने अतिक्ष कांकरिया पुत्र अभिषेक कांकरिया को 10 वर्ष की छोटी सी उम्र में 35 प्रकार के 'रूबिक्स क्यूब' हल करके इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराने पर शुभकामनाएं दी। जिला कलक्टर ने कहा की उन्होंने न केवल जिले का अपितु राज्य का गौरव बढ़ाया हैं। मोदी ने अतिक्ष को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित करते हुए प्रशंसा पत्र सौंपा और कहा की आप इसी तरह भविष्य में भी देश का गौरव बढ़ायें। अतिक्ष कई महीनों से रूबिक क्यूब को हल करने का अभ्यास कर रहे हैं और अंत में उन्होंने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इंडियन रिकॉर्ड में, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा एशियन रिकॉर्ड में व यूनिक विश्व रिकॉर्ड में प्रवेश किया। अतिक्ष कक्षा 5 के विद्यार्थी हैं। अतिक्ष की माता अभिलाषा मोदी एक शिक्षिका हैं और पिता अभिषेक कांकरिया एक सॉफ्टवेयर डेवेलपर हैं। अतिक्ष के माता-पिता और परिवार के सभी सदस्य उसकी इस सफलता पर बेहद खुश हैं।

ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी ने चेन्नई में किया आयोजन

डॉक्टरेट उपाधि से अलंकृत हुए मित्तल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्लोबल ह्यमन पीस यूनिक्सिटी ऑफ 'पीपूल फोरम आफडडिया द्वार चेन्नई मे आयोजित भव्य समारोह में अंतरर.ष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष एवं आर के एम ग्रुप के चेवरमैन राजकुमार 'मित्तल कोलकाता को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। मित्तल को यह उपाधि शिक्षा, स्वास्थ्य सामाजिक, न्याय की कार्य योजनाओं वो प्राथमिकता के आधार पर लक्ष्य निर्धारित पर क्रियान्वित करने तथा उनके सेवाभाव को देखते हुए प्रदान की गई।

राजकुमार मित्तल को मिले इस सम्मान पर अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार के महामंत्री प्रदीप कुमार सराफ उपाध्यक्ष मीना गोयल नेपाल, कोषाध्यक्ष गणेश भरतिया रानीगंज सहित सम्मेलन परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अध्यक्ष मित्तल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मित्तल ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार के सभी सदस्यों की सक्रियता एवं उनके सेवा भाव से ही वह सदैव कार्य करते हैं, तथा वे आगे भी निरंतर इसी तरह से अपनी सक्रियता सभी क्षेत्र में बनाए रखेंगे। उल्लेखनीय है कि अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष मित्तल पूरे अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर विगत 4 वर्षों से सक्रिय रूप से सेवा के कार्यो में अपना योगदान दे रहे हैं, तथा जगह-जगह जहां जरूरतमंदों की सहायता, निर्धन परिवारों को आर्थिक सहायता तथा विभिन्न विषयों पर कार्य उनके कुशल मार्गदर्शन में हो रहा है। सम्मेलन की विभिन्न देशों में अपनी इकाइयों के माध्यम से सेवा कार्यो को मित्तल गति दे रहे है।

कार्यक्रम में मित्तल पत्नी रंजू मित्तल व परिवार के सदस्यों के साथ पहुंचे थे। इसके अलावा आयोजन में अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार चेन्नई के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल, सचिव तरूण मोदी, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष आरती राणाढ़िया, संदीप अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, पोषम अग्रवाल, सुनीता खेमका, निशा अग्रवाल भी प्रमुख रूप से मौजूद थे।अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के राजकुमार मित्तत फो मिले इस सणात गर आर के एम झा ते भी प्रसत्ता व्यक्त वी है, तथा राजबुमार मित्तल चेई में आयोजित इस समारोह में सपरिवार अपनी धर्मपते संजीव मित्तल के साथ पहुंचे थे तथा उन?होंने ई शाखा की सक्रियता की भी प्रशंसा करते हुए कह कि चेन शाखा ने अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के माध्यम से विभिन्न कार्यो को गति दी है. तथा हमें यह गैरव होता है कि चेई जैसे महानगर में हमाते यह शाखा सक्रिय रूप से कार्य कर रहीं है।

ANCHOR शुरूआत

2 साल बाद फिर 5 रूट्स पर दौड़ेंगी 39 लो फ्लोर बसें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। शहर में दो-ढाई साल से थमी सिटी ट्रांसपोर्ट व्यवस्था के फिर सुचारू होने की उम्मीद जगी है। बीआरटीएस संचालन के लिए आई निजी बस ऑपरेटर्स की दर पर जोधपुर बस सर्विस लि. ने मोहर लगा दी है। जल्द ही जोधपुर बस सर्विस लि. व शहर की निजी बस ऑपरेटर्स कंपनी लक्ष्मी ट्रेवल्स के साथ लो फ्लोर बसों को 5 साल (3+2) तक चलाने का एग्रीमेंट (एमओयू) होगा। इसके बाद बस ऑपरेटर्स कंपनी नए साल से शहर के 5 रूट्स पर फिलहाल 39 बसों का संचालन शुरू करेगी। जेबीएसएल 25 नई बसें खरीदेगी, जिसकी मंजूरी मिल चुकी है।

इन बसों के जोधपुर पहुंचने के बाद शहर में कुल 64 बीआरटीएस बसें दौड़ती नजर आएंगी। तब 2-3 अन्य रुट्स पर बसें संचालित हो सकेंगी। इससे शहर के लोगों को सस्ता, सुरक्षित व सुगम सिटी ट्रांसपोर्ट उपलब्ध हो सकेगा। नए एग्रीमेंट के मुताबिक 3 साल तक निजी बस ऑपरेटर्स बीआरटीएस बसों का संचालन करेंगे। कंपनी इसके बाद भी संचालन करना चाहेगी तो 2 साल और अवधि बढ़ा सकेगी। बस ऑपरेटर्स कंपनी को जेबीएसएल बसों के सुचारू संचालन के लिए 39.99 रु. प्रति किमी के हिसाब से भुगतान करेगी। न्यूनतम एक दिन में 250 से 300 किमी बसों का संचालन करना जरूरी होगा।

कंपनी का प्रयास रहेगा कि शहर के लोगों को जल्द से जल्द सस्ता, सुगम व सुरक्षित सिटी ट्रांसपोर्ट दुबारा मिले। जैसे ही निगम प्रशासन बीआरटीएस बसों के संचालन की इजाजत देगा, हम पांच रूट्स पर बसें चलाएंगे।
-प्रवीण सोलंकी (बस ऑपरेटर, बीआरटीएस संचालन की न्यूनतम दर देनेवाले)

दो साल से खड़ी बसें

निजी बस ऑपरेटर्स कंपनी का जेबीएसएल के साथ एग्रीमेंट जनवरी 2021 में समाप्त हो गया था। हालांकि कंपनी को बसों का संचालन 2 साल बढ़ाने के लिए कहा था, लेकिन दर कम होने से बसों का संचालन निरंतर जारी रखने से इनकार कर दिया था। तब से ही सभी 39 बीआरटीएस बसें झालामंड डिपो पर खड़ी जंग खा रही थी। हालांकि जनरल मरम्मत के बाद बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। 3 माह पूर्व ही जेबीएसएल ने बीआरटीएस बसों के संचालन को लेकर निविदा निकाली। इसमें जोधपुर की दो व पूना की एक बस ऑपरेटर कंपनी ने बीआरटीएस के संचालन की इच्छा जताई। लक्ष्मी ट्रेवल्स को छोड़कर दोनों कंपनी की दरें 54-55 रुपए प्रति किमी आई।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
जागरूक WORLD & दुनिया
जयपुर, बुधवार, 30 नवम्बर - 6 दिसम्बर 2022
08
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

गवर्नर ने 3 निजी यूनिवर्सिटी के विधेयक सरकार को लौटाए

जोधपुर की 2 और हिंडौन की 1 यूनिवर्सिटी को नियमों के खिलाफ बताया, कहा- सरकार हाईपावर कमेटी बनाकर जांच कराएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गवर्नर कलराज मिश्र ने विधानसभा में पास किए गए तीन निजी यूनिवर्सिटी के 3 विधेयक यह कहते हुए सरकार को लौटा दिए हैं कि इनमें नियमों का ध्यान नहीं रखा गया। इन तीन यूनिवर्सिटी में जोधपुर की ड्यून्स यूनिवर्सिटी, जोधपुर की ही व्यास विद्यापीठ यूनिवर्सिटी और हिंडौन की सौरभ यूनिवर्सिटी शामिल है। तीनों यूनिवर्सिटी के अलग-अलग विधेयकों को सरकार को लौटाकर गवर्नर ने कहा कि इन विधेयकों पर फिर से विचार किया जाए।

प्रदेश के राजस्व को नुकसान बताया

गवर्नर कलराज मिश्र नेकहा है कि तीनों निजी यूनिवर्सिटी की नोटशीट देखने से लग रहा है कि प्रस्तावित निजी यूनिवर्सिटी भूमि, भवनों के निर्धारित नियमों का बिना पालन किए ही स्थापित किए जा रहे हैं। इनसे राज्य के राजस्व का भी सीधे तौर पर नुकसान होता दिखाई दे रहा है। मिश्र ने इन यूनिवर्सिटी की जमीन का भू रूपांतरण कराए बिना ही सिलेबस संचालन पर भी आपत्ति जताई है।

सीएम को अलग से पत्र लिखा- उच्च स्तरीय जांच कराएं

तीनों विधेयक सरकार को लौटाने के साथ ही मिश्र ने सीएम अशोक गहलोत को अलग से पत्र भी लिखा है। पत्र में कहा है कि विधेयकों के संबंध में नोटशीट को देखने से पता चलता है कि राज्य में जो निजी विश्वविद्यालय स्थापित हो रहे हैं, वे नियमों और समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुसार नहीं हैं। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों की कमियों को सम्भागीय व राजस्व अफसरों की उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं।

निजी यूनिवर्सिटी की स्थापना करने की स्पष्ट नीति बनाए सरकार

गवर्नर कलराज मिश्र ने सीएम को निर्देश दिए हैं कि निजी यूनिवर्सिटी की स्थापना के संबंध में व्यापक विचार विमर्श करके सरकार एक पॉलिसी बनाए। उसके बाद आगे की कार्रवाई करे। उन्होंने राज्य हित में प्रस्तावित यूनिवर्सिटी की की उच्च स्तर के राजस्व अधिकारियों और न्यायिक जांच करवाने के बाद ही स्थापित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं ताकि प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर मिल सके।

शिक्षा बनाम ऑनलाइन कोचिंग

भारत में तकनीक के माध्यम से शिक्षा देने वाली यानी एजुटेक कंपनियों का कारोबार तेजी से फलफूल रहा है। इस साल अकेले अगस्त में ही ऐसी तीन कंपनियां यूनिकॉर्न क्लब में शामिल हुईं। यूनिकॉर्न यानी एक अरब डॉलर से ज्यादा वैल्यू वाली कंपनी। अब यूनिकॉर्न क्लब में भारत की कुल 5 एजुटेक कंपनियां हैं। चीन में तो इन कंपनियों का साइज और भी बड़ा है। तो क्या वहां के स्कूली बच्चों का हाल भी हमारे बच्चों जैसा है? चेन्नैई में स्कूल जाने वाले बच्चे के पैरंट्स और चीन के चेंगदू में रहने वाले पैरंट्स में कोई अंतर है?

जागरूक जनता सरपट
ज्ञानेन्द्र मिश्रा

मां-बाप दोनों ही जगहों पर परेशान हैं। दोनों ही जगहों पर लोग अपने बच्चों के लिए अच्छी से अच्छी डिग्रियां चाहते हैं और उसके लिए अपनी सारी जमा-पूंजी दांव पर लगाने को तैयार हैं। स्कूली पढ़ाई खत्म होने के बाद पैरंट्स बच्चों को कोचिंग से लेकर लैपटॉप तक सारी सहूलियतें देने की कोशिश करते हैं, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। चीन में नैशनल कॉलेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन गाओकाओ है, तो भारत में जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम यानी जेईई है।

एजुकेशनल टेक्नलॉजी कंपनियां तो हमारे यहां शुरुआती दौर में हैं। चीन में यह सब काफी पहले शुरू हो चुका है। वहां हुई एक स्टडी बताती है कि बड़े शहरों में पढ़ाई पर कुल खर्च का करीब 44 फीसदी हिस्सा ट्यूशन में जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा लगभग 16 फीसदी है। इधर, भारत में भी हर तीन में से एक स्कूली बच्चा कोचिंग या ट्यूशन ले रहा है। कोविड महामारी के दौर में तो ऑनलाइन कोचिंग को पंख लग गए। कोई भी एजुटेक कंपनी इसका फायदा उठाने में पीछे नहीं रही। ऑनलाइन कोचिंग इंस्टिट्यूट की बाढ़ ने चीन को सख्त कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। उसने दिग्गज इंटरनेट कंपनियों की नकेल कसी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत को भी एजुटेक कंपनियों के लिए नियम कानून बनाने चाहिए? दरअसल चीन की तरह भारत में भी ऑनलाइन एजुकेशन की सुविधाओं ने एक बड़ी खाई बना दी है। यहां तो पहले से पढ़ाई-लिखाई की एक जैसी सुविधा सबको नहीं मिल पा रही थी, अब डिजिटल दौर में यह अंतर और बढ़ रहा है। किसी बच्चे के पास लैपटॉप, टैबलेट, इंटरनेट सब कुछ है, दूसरे के पास कुछ भी नहीं। सरकार को संतुलन बनाने के लिए कुछ करना होगा क्योंकि पैरंट्स की शिकायतों में बेतहाशा इजाफा हुआ है। इन कंपनियों के जाल में फंसने के बाद पैरंट्स पर कर्ज का बोझ बढ़ता ही जाता है। केवल मुनाफे के लिए काम करने वाली कई एजुटेक कंपनियां तो 'कोचिंग इंस्टिट्यूट' बन गई हैं। ये कंपनियां कोचिंग इंस्टिट्यूट और मुनाफाखोरी करने वाले स्कूलों का विकल्प बनने आई थीं, लेकिन मुनाफा कमाने की होड़ में उन्हीं की तरह बनती जा रही हैं। एक बेसिक दिक्कत एजुटेक के स्ट्रक्चर से जुड़ी है। पढ़ाई-लिखाई हर बच्चा अपनी स्पीड से करता है। सबकी समझ का अपना एक लेवल होता है और उसी हिसाब से सीखने से जुड़ी चुनौतियां होती हैं। लेकिन इन कंपनियों का पैकेज तो मोटे तौर पर फिट फॉर ऑल सरीखा है। उसमें हर बच्चे पर अलग से ध्यान दे पाना संभव नहीं। एक पहलू फीस का भी है। करीब 20-30 साल पहले जो कोचिंग क्लासेज चलती थीं, उनमें लॉन्ग टर्म पेमेंट जैसी कोई बात नहीं होती थी। अमूमन एक महीने की फीस ली जाती थी, वह भी महीना खत्म होने के बाद। आपको पसंद आए तो पढ़िए नहीं तो दूसरी कोचिंग में चले जाइए। लेकिन अब मल्टी-ईयर पैकेज जैसे ऑफर थोपे जा रहे हैं। कहीं पैरंट्स को थर्ड-पार्टी लेंडर्स से पढ़ाई के लिए कर्ज लेना पड़ जाता है।

सरकार के पास डिजिटल एजुकेशन बढ़ाने की क्षमता नहीं है। उसके पास साधन भी सीमित हैं। सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर आने वाले समय में शायद ही बेहतर हो पाए। लिहाजा, इस क्षेत्र में प्राइवेट कंपनियों का एकाधिकार रहेगा। उनका नेटवर्क कस्बों से लेकर दूर-दराज के गांवों तक फैल जाएगा। वेंचर कैपिटलिस्ट जिस तरह से एजुटेक इंडस्ट्री पर दांव लगा रहे हैं, उससे यह समस्या और बढ़ रही है। पहले बड़े उद्योगपति अपनी कमाई का कुछ हिस्सा जनता की भलाई वाले कामों में लगाते थे। लेकिन, अब उनका मकसद देश के तेजी से बढ़ते इंटरनेट मार्केट में निवेश कर मुनाफा कमाना भर रह गया है। पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था हमेशा से सख्त निगरानी के दायरे में रही है। अब महामारी के चलते पढ़ाई-लिखाई का सारा सिस्टम ऑनलाइन हो गया है। ऐसे में यह देखना अजीब लगता है कि अरबों डॉलर वाली एजुटेक कंपनियों पर सरकार की ओर से कोई बंदिश नहीं है। यह दलील दी जा सकती है कि इनफॉर्मेशन टेक्नलॉजी की हालिया गाइडलाइंस में कंटेंट पब्लिशर्स के लिए डिजिटल कोड है। अगर ऐसी बात है, तो एजुटेक यूनिकॉर्न को उसके दायरे में लाया जाना चाहिए। *(ये लेखक के अपने विचार है)*

समधी को मंच पर चप्पल से पीटा

बेटी की लव मैरिज से खफा थी मां, श्रद्धा को इंसाफ दिलाने के लिए हुआ था कार्यक्रम

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। दिल्ली के छतरपुर में एक महिला ने एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर व्यक्ति की चप्पल से पिटाई कर दी। घटना हिंदू एकता मंच की बेटी बचाओ महापंचायत की है। बताया जा रहा है कि महिला अपनी बात रख रही थी और यह शख्स उसे माइक से हटाने की कोशिश कर रहा था, जिसकी वजह से महिला ने चप्पल उतारकर उसे मारना शुरू कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला की बेटी इस शख्स के बेटे के साथ फरार हो गई थी। दोनों ने शादी भी कर ली। महिला इसी बारे में मंच पर बता रही थी। इसी दौरान वह गुस्से में आ गई और चप्पल निकालकर समधी को मारना शुरू कर दिया। कार्यक्रम में मौजूद बाकी लोगों ने मंच पर आकर महिला को रोका। व्यक्ति की पहचान सत्य प्रकाश के नाम से हुई है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे और इस महिला की बेटी ने आर्य समाज में शादी की है। उन्होंने मैरिज सर्टिफिकेट के लिए कोर्ट में भी अप्लाई किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें शादी से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन महिला ने इस शादी को स्वीकार नहीं किया है। महिला को लगता है कि उसकी बेटी की जबरदस्ती शादी कराई गई है।

श्रद्धा वालकर को इंसाफ दिलाने के लिए की गई महापंचायत

दिल्ली के छतरपुर इलाके में ही आफताब अमीन पूनावाला ने श्रद्धा वालकर की बेरहमी से हत्या कर के उसके 35 टुकड़े कर दिए थे। इन टुकड़ों को उसने फ्रिज में रखा और 16 दिन तक जंगल में फेंकता रहा। यह महापंचायत श्रद्धा के लिए इंसाफ मांगने के लिए की गई थी।

सिद्धू को मिलेगी बड़ी राहत! जल्द मिल सकती है जेल से रिहाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। पंजाब की पटियाला जेल में सजा काट रहे पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर बड़ी खबर है। जल्द उनको रिहाई मिल सकती है। सिद्धू 34 साल पुराने रोडरेज के मामले में पटियाला जेल में एक साल की सजा काट रहे है। सूत्रों के अनुसार, गणतंत्र दिवस के मौके पर सिद्धू को जेल से रिहा किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि सिद्धू ने अब तक छह महीने की सजा काट चुके है। इस दौरान कांग्रेस नेता ने अपना वजन भी काफी कम कर लिया है। अच्छे आचरण की वजह से जिन कैदियों को रिहा करने की सिफारिश वाली सकारात्मक रिपोर्ट पंजाब सरकार को भेजी है, उसमें नवजोत सिंह सिद्धू का नाम भी है।

अच्छे आचरण के कारण हो सकते हैं रिहा

पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू अब तक साढ़े 6 महीने की सजा काट चुके हैं। नियमों के मुताबिक सिद्धू के लिए रिहाई से जुड़े सभी कारक उनके पक्ष में हैं। जेल में किसी भी तरह के जुर्म न शामिल न होने और जेल नियमों का पालन करने वालों को रिहा करने के नामों की लिस्ट मांगी गई थी, जिसके बाद जेल प्रबंधकों ने सिद्धू का नाम भेजा था। इसकी पुष्टि सेंट्रल जेल पटियाला के सुपरिंटेंडेंट मनजीत सिंह टिवाणा ने की है।

QSI Reliable, Professional & Genuine ISO Certification
Serving Govt, PSU, MSME, Health & Education etc
Services since 2001
ISO Awareness, Auditors/ L.A. Training On site - PUBLIC
CE, NABL, NABH, SEDEX, Disaster M.PLAN Product & Process standards ISO 4427 Assistance & Certifications
HBO Oxygen Treatment
Franchise Available
SNHL, Wounds, AUTISM, C.P. Side effects of Post Chemo-Radio Preventive Healthcare
-: Contact :-
R. C. Agrawal, Director
Call. 9829017133, 0141- 2236895
QSI (India) Certifications P.L.
SF 1/557 Vidyadhar Ngr, Jaipur-39
Email: qsicert@gmail.com
www.qsi-india.com
ISO 9001, 14001 IMS ISO 45001, 22000, 27001 EA ISO 50001, MD 13485, SA 8000 , Weld Quality ISO 3834-2 , 15085, IRIS 22163 IATF-16949 ETC

इजरायली राजदूत ने अपने फिल्म डायरेक्टर को समझा दिया 'कश्मीर फाइल्स' का दर्द

शर्म आती है, भारत में मेहमान भगवान है और तुमने... अब मांगी माफी

- **इफ्फी जूरी प्रमुख कश्मीर फाइल्स को कहा था प्रॉपगेंडा**
- **इफ्फी 2022 के समापन समारोह में मंच से दिया बयान**
- **अब इजरायल के राजदूत ने भारतीयों से मांगी माफी**

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' पर इजरायली फिल्मकार और IFFI जूरी हेड के विवादित बयान पर उनके देश के राजदूत ने माफी मांग ली है। सिलसिलेवार तरीके से किए ट्वीट में उन्होंने जूरी हेड नदव लापिद को जमकर सुनाया। दरअसल, पिछले कई घंटों से भारत में लोग सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे थे। ऐसे में भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलन ने वीडियो के साथ नदव लापिद को खुला लेटर लिखा। उन्होंने अंग्रेजी में किए ट्वीट में लिखा कि कश्मीर फाइल्स पर उनकी आलोचना के बाद ऐसा लिखना पड़ रहा है और यह हिब्रू भाषा में नहीं है क्योंकि मैं चाहता हूं कि भारतीय भाई-बहन भी इसे समझ सकें। यह काफी लंबा है इसलिए मैं चाहता हूं कि आप मूल बात पहले जान लो। राजदूत ने कहा, 'आपको शर्म आनी चाहिए।'

यहां 'कश्मीर फाइल्स' के प्रदर्शन से हैरान हूं। यह हमें एक दुष्प्रचार वाली और भद्दी फिल्म लगी, जो इतने प्रतिष्ठित फिल्म समारोह के लिए अनुपयुक्त थी। मैं इस भावना को आपके साथ खुले तौर पर साझा करने में सहज महसूस कर रहा हूं क्योंकि महोत्सव की भावना आलोचनात्मक चर्चा को स्वीकार कर सकती है।

अपनी कुंठा किसी अन्य देश पर मत निकालिए

राजदूत ने जूरी हेड को नसीहत देते हुए कहा कि आप पहले जैसे खुलकर बोलते रहे हैं आगे भी बोलिए लेकिन मेरी सलाह है कि ये सब इजरायल में कीजिए, अपनी कुंठा दूसरों देशों पर मत निकालिए। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि आप वापस इजरायल जाकर सोचिएगा कि आपने क्या कहा है। हम इजरायल के प्रतिनिधि के रूप में यहीं पर रहेंगे। गिलन ने आखिर में कहा कि भारत और इजरायल के लोगों की दोस्ती काफी मजबूत है और आपने इसे जो नुकसान पहुंचाया है उसका कुछ भी असर नहीं होगा। एक इंसान के रूप में मुझे शर्म आती है और हमारे मेजबान से मैं माफी मांगना चाहता हूं। इजरायल के राजदूत का भारतीयों ने खुले मन से स्वागत किया है।

मेहमान को भगवान मानते हैं और...

1 से 6 पॉइंट्स में गिलन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मेहमान को भगवान की तरह माना जाता है। आपने इफ्फी में जजों के पैनल के हेड के भारतीय आमंत्रण का अपमान किया है। उनके भरोसे, सम्मान और गर्मजोशी से किए गए स्वागत का भी मजाक बना दिया। उन्होंने आगे लिखा, 'हमारे भारतीय मित्रों 'फौदा' सीरीज के कलाकारों को यहां बुलाया और उन्हें भारत में काफी प्यार मिला। आपको अपने बर्ताव के लिए आत्ममंथन करने की जरूरत है। मैंने मंच से भी कहा था कि हमारे दोनों देशों में कई समानताएं हैं क्योंकि हम एक तरह के दुश्मन से लड़ रहे हैं और जो हमारा बुरा पड़ोसी ही है।'

बिना पढ़े-समझे नहीं बोलना चाहिए

इजरायली राजदूत ने कहा, 'मैंने कहा कि हमें भारत को लेकर विनम्र होना चाहिए जहां का फिल्म कल्चर शानदार है और वे इजरायली कंटेंट (फौदा और ऐसे कई फिल्में) भी पसंद करते हैं।' राजदूत ने आगे कहा कि मैं कोई फिल्म एक्सपर्ट नहीं हूं लेकिन इतना जानता हूं कि ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में बिना अच्छे से पढ़े-समझे असंवेदनशील तरीके से बोलना नहीं चाहिए। ये घटना भारत के लिए खुला जख्म है क्योंकि आज भी कई लोग उसकी कीमत चुका रहे हैं। होलोकास्ट सर्वाइवर का बेटा होने के नाते आपके बयान पर भारतीयों की प्रतिक्रिया देखकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं ऐसे बयान की निंदा करता हूं।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039